R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 90
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 08 दिसम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 एसआईआर के बचे हुए आवेदन शीघ्र करें जमा : हीरालाल 5 जिलाधिकारी ने मूल्यांकन सूची की दरों को पुनः ... 7 केटी पेरी और जस्टिन ट्रूडो का रिश्ता हुआ ...

ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के साथ मिलकर लड़ेंगे चुनाव, बाबरी जैसी मस्जिद की नींव रखने वाले हुमायूं कबीर का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बाबरी मस्जिद जैसे ढांचे का शिलान्यास करने के एक दिन बाद तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने बड़ा ऐलान किया है। कबीर ने कहा कि वह 22 दिसंबर को अपनी पार्टी बनाएंगे और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

एनडीटीवी से बातचीत में हुमायूं कबीर ने कहा, 'मैं एक नई पार्टी बनाऊंगा जो मुसलमानों के लिए काम करेगी। मैं 135 सीटों पर उम्मीदवार उतारूंगा। मैं बंगाल चुनाव में गेमचेंजर साबित होऊंगा। मैं एआईएमआईएम के संपर्क में हूं और उनके साथ मिलकर चुनाव लड़ूंगा। मेरी ओवैसी से बात हुई है।' इस पर अभी तक न तो एआईएमआईएम और न ही ओवैसी की तरफ से कोई बयान सामने आया है।

हुमायूं कबीर ने कहा, 'मैं बंगाल में बीजेपी को सत्ता में नहीं आने दूंगा। तृणमूल अपनी अगली सरकार नहीं बना पाएगी।' उन्होंने आगे कहा, 'भारत भर के कई उद्योग मेरी मदद करने जा रहे हैं। भारत में मुसलमानों के पास बहुत सारा धन है, वे बाबरी मस्जिद के निर्माण में मदद करने जा रहे हैं।'

बता दें की टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी जैसी मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने मंच पर मौलवियों के साथ समारोह का फीता काटा और इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर जमकर नारे लगे। करीब 3000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमने जितना सोचा था, असल में लोगों की संख्या कहीं ज्यादा थी और मुर्शिदाबाद जिले के लोगों में इस मस्जिद को लेकर एक खास तरह का क्रेज है। कुछ लोग नादिया, मालदा और उत्तरी दिनाजपुर जैसे आस-पास के जिलों से भी आए थे।'

दिल्ली में 95 मोहल्ला क्लीनिक और बंद, बीजेपी- आप में छिड़ी जुबानी जंग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली सरकार ने अब 95 और मोहल्ला क्लीनिकों को बंद करने के लिए सूची जारी की है। स्वास्थ्य सेवा केंद्रों के शून्य से 1.6 किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्लीनिकों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। वहीं आप ने दिल्ली में 95 और मोहल्ला क्लीनिक बंद होने की आशंका पर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

बता दें कि यह मोहल्ला क्लीनिक पोर्टा केबिन और किराये की इमारत में संचालित हो रहे हैं। इससे पहले एक किलोमीटर के दायरे वाले मोहल्ला क्लीनिक बंद किए गए थे। मोहल्ला क्लीनिक बंद होने पर कार्यरत कर्मियों के बीच रोष है। इससे पहले सितंबर, अक्तूबर में भी क्लीनिक बंद किए गए थे। आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक यूनियन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने कहा कि इन 95 क्लीनिक को मिलाकर बंद होने वाले क्लीनिकों की संख्या 296 हो जाएगी। इससे लगभग 1100 से अधिक कर्मी बेरोजगार हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 16 मई को जनता दरबार में वादा किया था कि सभी स्वास्थ्यकर्मियों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर में समायोजित किया जाएगा। इसके अलावा इसी मामले में कैट के भी 22 जनवरी 2026 तक कुछ कर्मियों के स्टे आर्डर हैं। जिनको निकाला नहीं जा सकता है। कर्मियों ने सरकार से गुहार लगाई है कि समस्या दूर करे और उन्हें आयुष्मान आरोग्य मंदिर में नियुक्त किया जाए।

वहीं इसपर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में 95 और मोहल्ला क्लीनिक बंद होने की आशंका पर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सरकार गरीबों को मुफ्त इलाज से वंचित कर रही है, मेट्रो स्टेशनों और शापिंग माल में शराब के प्रीमियम शोरूम खोलने की तैयारी कर रही है। उनके अनुसार, सरकार शराब को बढ़ावा दे रही है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी से पीछे हट रही है।

भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर भ्रामक बयानबाजी और झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। पार्टी प्रवक्ता प्रवीण शंकर ने कहा कि पिछले 18 महीनों में लोकसभा, विधानसभा और नगर निगम स्तरों के चुनावों में हार के बावजूद आप नेता अब भी मनगढ़ंत कहानियां गढ़ना बंद नहीं कर रहे। सौरभ लगातार जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि दिल्लीवासी अब उनके दावों पर भरोसा नहीं करते।

2030 तक ईपीसी सेक्टर में 2.5 करोड़ नई नौकरियां, रिपोर्ट में बड़ा अनुमान

मुंबई **(एजेंसी)**। देश के इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) क्षेत्र में 2030 तक 2.5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया। एचआर समाधान प्रदाता सीआईईएल एचआर के 'ईपीसी क्षेत्र प्रतिभा अध्ययन, 2025' के अनुसार, ईपीसी क्षेत्र देश के अग्रणी रोजगार सृजनकर्ताओं में एक है और 2020 के बाद से भर्ती मांग में 51 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस समय संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों को मिलाकर 8.5 करोड़ से अधिक लोग ईपीसी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इनमें से लगभग 70-80 लाख पेशेवर देश की शीर्ष ईपीसी कंपनियों में काम करते हैं।

सीआईईएल एचआर के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा, ''जैसे-जैसे देशभर में बुनियादी ढांचे का विकास हो रहा है, भर्ती में भी तेजी आती रहेगी। ईपीसी क्षेत्र से 2030 तक 2.5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। हर साल लाखों लोग रोजगार बाजार में आते हैं और यह क्षेत्र लगातार भारत की कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा अपने भीतर समाहित करता रहेगा।''

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कृत्रिम मेधा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को कोई खतरा नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र की रफ्तार को बढ़ाएगा। एआई से परियोजनाओं की दक्षता बढ़ेगी, योजना और इंजीनियरिंग प्रक्रियाएं मजबूत होंगी और आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन बेहतर होगा, लेकिन इससे मानव संसाधन की मांग कम नहीं होगी। मिश्रा ने कहा, ''भारत का विकास मॉडल अब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संतुलित वृद्धि पर केंद्रित है। जैसे-जैसे ग्रामीण बुनियादी ढांचे का विस्तार होगा, जनशक्ति की जरूरत और बढ़ेगी। सरकार भी इस विस्तार को तेज करने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।''

इंडिगो विवाद पर मंत्री राम मोहन नायडू ने राहुल गांधी पर पलटवार किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंडिगो एयरलाइन में चल रही उड़ानों की गड़बड़ी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'मोनोपोली मॉडल' के आरोप का कड़ा जवाब दिया है। मंत्री ने कहा कि यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है, बल्कि यह जनता से जुड़ा मुद्दा है।

मंत्री नायडू ने जोर देकर कहा कि सरकार ने हमेशा एविएशन सेक्टर में ज्यादा प्रतिस्पर्धा लाने की कोशिश की है। उन्होंने बताया, 'हमने लीजिंग कॉस्ट (किराए की लागत) कम करने के लिए कानून भी बनाए, ताकि ज्यादा विमान बेड़े में शामिल हो सकें।' उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि अगर वह 'पूरी जानकारी के साथ बात करते तो बेहतर होता।' मंत्री ने कहा कि देश में हवाई यात्रा की मांग बढ़ रही है, इसलिए यह सेक्टर में नए लोगों के आने का अच्छा मौका है, जिसे सरकार भी बढ़ावा दे रही है।

इससे पहले, राहुल गांधी ने इंडिगो संकट के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें रद्द होने और हजारों यात्रियों के फंसने की घटना पर, लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'इंडिगो की गड़बड़ी इस सरकार के मोनोपोली मॉडल की कीमत है।' उन्होंने आरोप लगाया कि आम भारतीयों को देरी, कैंसिलेशन और लाचारी के रूप में इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की मांग करते हुए कहा, भारत 'मैच-फिक्सिंग मोनोपोली' का नहीं, बल्कि हर सेक्टर में निष्पक्ष कॉम्पिटिशन का हकदार है।

इंडिगो पिछले कई दिनों से पायलटों की कमी के कारण रोजाना सैकड़ों उड़ानें रद्द कर रही है, जिससे देश भर के एयरपोर्ट पर यात्री फंसे हुए हैं। इस गड़बड़ी की जड़ डीजीसीए द्वारा लागू किए गए नए फ्लाइट सेफ्टी नियम थे। ये नियम पायलटों की थकान दूर करने के लिए बनाए गए हैं और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं। इंडिगो अपने बड़े ऑपरेशनों को नए नियमों के अनुसार क्रू के साथ मैनेज करने में विफल रही। हालांकि, अब डीजीसीए ने इन नए नियमों को लागू करने पर अस्थायी रोक लगा दी है, और इंडिगो का ऑपरेशन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है।

गोवा नाइटक्लब अग्निकाण्ड : मैनेजर गिरफ्तार, क्लब के मालिक पर भी वारंट जारी मुख्यमंत्री ने दिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

पणजी **(एजेंसी)**। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने जानकारी दी है कि रविवार को एक नाइटक्लब में लगी भीषण आग के सिलसिले में उस क्लब के जनरल मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि क्लब, जिसका नाम 'द बर्च बाय रोमियो लेन' है, उसके मालिक के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। मुख्यमंत्री सावंत ने पुष्टि की कि यह दर्दनाक घटना देर रात करीब 12 बजे हुई। उन्होंने बताया, 'आग लगने की वजह से कई लोग (नाइटक्लब से) बाहर नहीं निकल पाए और दम घुटने से उनकी मौत हो गई।' इस हादसे में 25 लोगों के मारे जाने और छह अन्य के घायल होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि घायल लोग फिलहाल खतरे से बाहर हैं और उनका इलाज गोवा मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। सावंत ने बताया कि स्थिति का जायजा लेने के लिए उन्होंने रात करीब 2 बजे घटना वाली जगह का दौरा किया। उन्होंने इस मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने इस घटना को गोवा के इतिहास में पहली बार हुई ऐसी घटना बताया। जब मुख्यमंत्री से पूछा गया कि क्या नाइटक्लब में लगी आग 'लापरवाही' का नतीजा थी, तो उन्होंने कहा कि इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि नाइटक्लब ने आग से सुरक्षा के नियमों का ठीक से पालन किया था या नहीं।

महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व रोहिणी यादव क्षेत्राधिकारी बांसी के कुशल पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार मौर्या के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के डिडई मे स्थित सेंथ मेरी कान्वेंट स्कूल में बहू बेटी सम्मेलन लगाकर महिलाओं व बच्चियों को जागरूक किया गया तथा महिलाओं के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी दहेज उत्पीड़न पॉक्सो एक्ट महिला संबन्धित मुकदमों में पीड़िताओं की काउंसलिंग की गई तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया । मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्वन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में उप निरीक्षक अयोध्या प्रसाद, महिला हेड कांस्टेबल नीलम शुक्ला, महिला कांस्टेबल प्रतिमा दूबे, कास्टेबल अभिनव पटेल ने जागरूक कयिा। साथ में एंटी रोमियो चेकिंग के दौरान चौराहे पर अनावश्यक रूप से घूमने वाले 5 शोहदो /मंचलो का माफीनामा व 20 वाहन व 30 व्यक्ति चेक कर 5 वाहन का चालान कर हिदायत मुनासिब किया गया।

उमर अब्दुल्ला की 'लाइफ सपोर्ट' टिप्पणी पर बीजेपी का राहुल गांधी पर हमला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की उस टिप्पणी को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला किया, जिसमें उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि गठबंधन 'लाइफ सपोर्ट' पर है। भंडारी ने दावा किया कि राहुल गांधी का राजनीतिक नेतृत्व पूरी तरह से विफल है।

उमर अब्दुल्ला के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदीप भंडारी ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं की बातों से यह साफ है कि गठबंधन में नेतृत्व की कमी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इंडिया ब्लॉक के सहयोगी सार्वजनिक रूप से भले ही राहुल गांधी का बचाव करते हों, लेकिन निजी तौर पर वे मानते हैं कि गठबंधन की हार के लिए राहुल गांधी ही जिम्मेदार हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, प्रदीप भंडारी ने कहा, 'यह राहुल गांधी के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक पर एक जोरदार तमाचा है।'

भंडारी ने दावा किया कि उमर अब्दुल्ला और गठबंधन के कई सहयोगी आज यह कह रहे हैं कि राहुल गांधी गठबंधन के नेता नहीं बन पाए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस बयान से यह साबित होता है कि गठबंधन का हिस्सा रहे और सत्य में बैठे हर व्यक्ति, अंदर ही अंदर यह मानते हैं कि राहुल गांधी की वजह से गठबंधन कोई चुनाव नहीं जीत सकता है।

भंडारी ने आरोप लगाया कि अब यह साफ हो चुका है कि कांग्रेस खत्म हो चुकी है और गठबंधन के सभी सहयोगी मानते हैं कि राहुल गांधी राजनीतिक रूप से असफल हैं। प्रदीप भंडारी की यह प्रतिक्रिया उमर अब्दुल्ला के शनिवार को 'एचटी लीडरशिप समिट 2025' में दिए गए बयान पर आई। उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि इंडिया ब्लॉक गठबंधन 'लाइफ सपोर्ट' पर है।

जब उनसे पूछा गया कि गठबंधन पहले कितनी बार मरा है, तो उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा था, 'हम एक तरफ से लाइफ सपोर्ट पर हैं, लेकिन कभी-कभी कोई हमें पैडल्स का झटका देता है और हम फिर से उठ जाते हैं। फिर दुर्भाग्य से, बिहार जैसे नतीजे आते हैं और हम नीचे गिर जाते हैं और फिर किसी को हमें चौराहे पर ले जाया जाता है।'

डीएम की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस मे फरियादियों की समस्या के निस्तारण का निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में शासन के मंशा के अनुरूप आज तहसील नौगढ़ में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

तहसील नौगढ़ में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य द्वारा तथा पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये।जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस नौगढ़ में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद की आख्या लगायेगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिए। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 16 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-12, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-04, प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। जिलाधिकारी द्वारा राजस्व के 02 प्रार्थना-पत्रों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस कार्यक्रम के इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीडीओ सतीश सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, तहसीलदार नौगढ़, तहसील नौगढ़ क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इंडिगो संकट पर अखिलेश यादव का केंद्र सरकार पर हमला

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को इंडिगो एयरलाइन में चल रहे संकट को लेकर बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है।

पीटीआई न्यूज़ एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो में, अखिलेश यादव ने गंभीर आरोप लगाया कि एयरलाइन पर इलेक्टोरल बॉन्ड के चंदे की वजह से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने सीधे तौर पर कहा, 'सरकार बिना किसी वजह के इंडिगो पर दबाव नहीं डाल रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इंडिगो ने उन्हें इलेक्टोरल बॉन्ड दिए थे।'

यादव ने आगे कहा कि इंडिगो के पास तैयारी करने के लिए काफी समय था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने इस स्थिति को देश में पूंजीपतियों के सरकार पर हावी होने का उदाहरण बताया। उन्होंने जोर देकर कहा, 'यह पहला साफ उदाहरण है जो दिखाता है कि पूंजीवादी ताकतें सरकार पर हावी हो रही हैं और सरकार के पास कोई रास्ता नहीं है।'

पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में चला स्वच्छता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में रविवार को जनपद के समस्त थानों, पुलिस चौकियों एवं कार्यालयों में साफ-सफाई अभियान चलाया गया।

ज्ञात हो कि अभियान के अंतर्गत सभी पुलिसकर्मियों द्वारा थाना परिसर, कार्यालय भवन, अभिलेख कक्ष, शस्त्रागार, मालखाना, हवालात, आवासीय परिसर, शौचालयों आदि की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। पुलिस कर्मियों ने श्रमदान कर परिसर को स्वच्छ बनाया तथा कूड़ा-करकट का निस्तारण किया। इस अवसर पर स्वच्छता ही सेवा के भाव को आत्मसात करते हुए पुलिस कर्मियों ने यह संकल्प लिया कि प्रतिदिन साफ-सफाई बनाए रखेंगे और स्वच्छ वातावरण में कार्य करेंगे। साथ ही, आम जनमानस को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि स्वच्छता एक निरंतर प्रक्रिया है, अतः थाना परिसर को सदैव स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखें। यह सफाई अभियान आगे भी प्रत्येक रविवार को निरंतर जारी रहेगा।

सदस्य उ. प्र. राज्य महिला आयोग ने दिव्यांग बच्चों को कृत्रिम उपकरण किया वितरित

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कमलेन्द्र कुमार कुशवाहा के निर्देशन और अवधेश पांडेय जिला समन्वयक समेकित शिक्षा के कुशल मार्गदर्शन तथा खंड शिक्षा अधिकारी सरसवां राजीव प्रताप सिंह जी कुशल नेतृत्व में बी.आर.सी. सरसवां में दिव्यांग बच्चों के लिए एलिम्को कानपुर के सहयोग से उपकरण वितरण कैंप का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर व विशिष्ट अतिथि धर्मराज मौर्य जिलाध्यक्ष भाजपा तथा प्रतिभा कुशवाहा सदस्य राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

उपकरण वितरण कैंप में परिषदीय विद्यालयों तथा पीएमश्री विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया किया।उपकरण वितरण कैंप में अस्थि दिव्यांग बच्चों के लिए 23 ट्राई साइकिल, 08वैशाखी, सीपी बच्चों के लिए 21व्हीलचेयर तथा दृष्टिबाधित बच्चों के लिए 09 ब्रेल किट, 04 स्मार्ट केन और मानसिक मंदित बच्चों के लिए 53 एमआर किट तथा श्रवण दिव्यांग बच्चों के लिए 18 श्रवणयन्त्र का वितरण किया गया।

वितरण कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अभिभावकों से अपील किया कि बच्चों को नियमित स्कूल भेजें और उपकरणों के रखरखाव का भी विशेष ध्यान दिया जाए। उपकरण पाकर बच्चे अति उत्साहित दिखे।

कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी सरसावा राजीव प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अकबर सिंह, प्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य दिनेश सिंह तथा एलिम्को कानपुर से आए विशेषज्ञ डॉ रामानंद व ऑडियोलॉजिस्ट डॉक्टर विनीत पाण्डेय, एआरपी राजेश सिंह व समस्त स्पेशल एजुकेटर एवं फिजियोथैरेपिस्ट उपस्थित रहे।

विद्युत कर्मियों ने पावर हाउस में किया प्रदर्शन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। कर्मचारियों ने सिराथू के कुरा उपकेंद्र में शनिवार को प्रदर्शन किया। तेजी से हो रही छटनी को लेकर दैनिक वेतन भोगी विद्युत कर्मचारियों ने गंभीर आपत्ति जताई है। विद्युत कर्मियों का आरोप है कि निजीकरण की तैयारी के तहत 2017 के पॉवर कॉर्पोरेशन आदेश को दरकिनार करते हुए 48 फसदी तक संविदा कर्मचारियों को हटाया जा रहा है, जिससे बिजली विभाग में व्यापक नाराजगी फैल चुकी है। विद्युत कर्मियों का कहना है कि पॉवर कॉर्पोरेशन ने 15 मई 2017 को उप केंद्रों के लिए नियमित और संविदा कर्मचारियों की तैनाती का स्पष्ट मानक तय किया था। शहरी उपकेंद्र पर 36 कर्मचारी और ग्रामीण उप कि इस आदेश में आज तक कोई संशोधन नहीं हुआ है, फिर भी शहरी निगम उपकेंद्रों पर कर्मचारियों की संख्या 17 और ग्रामीण उपकेंद्रों पर 12 तक कम कर चुका है। अल्प वेतन पर काम करने वाले हजारों कर्मचारी रोजगार के गंभीर संकट और भुखमरी की स्थिति में पहुंच रहे हैं। अब वही प्रक्रिया यहां भी लागू की जा रही है, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों में महेश कुमार, कामता प्रसाद, रविशंकर, राजेश कुमार, शुभम कुमार, मनोज कुमार, नीरज सिंह, लतीफ अहमद, आयुष, राजेश पांडेय, प्रेम श्रीवास्तव, संजीत कुमार, प्रदीप सहित दर्जनों कर्मचारी मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने दिखाई संवेदनशीलता

31 मार्च 2025 के बाद भुगतान करने वाले बकायेदार भी होंगे लाभान्वित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने विद्युत बिल राहत योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को एक और बड़ी राहत प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पहले 31 मार्च 2025 के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। विभिन्न जनपदों के दौरे और विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने मंत्री श्री शर्मा से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, किंतु फिर भी उनका काफी बकाया शेष है, इसलिए उन्हें भी योजना का लाभ दिया जाए।

उपभोक्ताओं की इस पीड़ा और वास्तविक स्थिति को समझते हुए ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने अत्यंत संवेदनशीलता के साथ अधिकारियों को तुरंत निर्देश दिए कि ऐसे सभी उपभोक्ताओं को योजना के लाभ से वंचित न किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार का उद्देश्य अधिकतम लोगों को राहत देना है, इसलिए भुगतान कर चुके किन्तु अब भी बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिलना चाहिए।ऊर्जा मंत्री के निर्देशों के क्रम में अब 30 नवंबर 2025 तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक बोझ में बड़ी कमी आएगी।जनहित में लिए गए इस महत्वपूर्ण फैसले से प्रदेशभर के उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने वास्तव में जनता की परेशानी को समझा और राहत प्रदान करने का सार्थक प्रयास किया है। सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम उपभोक्ता हित और संवेदनशील प्रशासन की स्पष्ट मिसाल है।

योगमाया मंदिर पर महिलाओ/बालिकाओं को पुलिस ने किया सुरक्षा के प्रति जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व रोहिणी यादव क्षेत्राधिकारी बांसी के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष जोगिया उदयपुर मीरा चौहान के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के योगमाया मंदिर पर जाकर महिलाओ/बालिकाओं को जागरूक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी दहेज उत्पीड़न पॉक्सो एक्ट महिला संबन्धित मुकदमों में पीड़िताओं की काउंसलिंग की गई तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया । मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में उप निरीक्षक आनंद शाही , कास्टेबल प्रदीप उपाध्याय , महिला कांस्टेबल पूजा यादव , महिला कांस्टेबल संगीता यादव, महिला कांस्टेबल किरन बेदी ने महिलाओं को जागरूक किया।

डॉ भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज स्थित कांग्रेस कैम्प कार्यालय पर भारत के संविधान रचयिता और भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दो मिनट के मौन के साथ हुई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष क़ाज़ी सुहेल अहमद की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में बाबा साहेब के जीवन, उनके सामाजिक योगदान, समानता और न्याय के सिद्धांतों पर विस्तृत चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन संघर्षशील और प्रेरणास्रोत रहा है, और उनका बनाया संविधान देश की लोकतांत्रिक आत्मा है। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष क़ाज़ी सुहेल अहमद ने कहा की बाबा साहेब ने भारत को समानता, न्याय और मानवाधिकारों पर आधारित एक मजबूत दिशा दी। आज उनके परिनिर्वाण दिवस पर उनका स्मरण करते हुए हमें संकल्प लेना चाहिए कि संविधान के मूल्यों की रक्षा, सामाजिक न्याय की स्थापना और हर कमज़ोर वर्ग की आवाज़ को बुलंद करने में हम सदैव अग्रणी रहेंगे। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष रियाज़ मनिहार, डॉ अरशद हबीब, मुनिराम गौतम, क़ाज़ी फैसल, अर्जुन कन्नौजिया, श्याम सुंदर, क़ाज़ी काशिफ, बेचन, धर्मराज गौतम, चिकन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु संगोष्ठियों और जनजागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया गया।

75 वर्ष बाद माघ मेले का अद्भभुत संयोग : संगम की त्रिवेणी में स्नान, दान का है विशेष महत्व

कुंभ स्नान करने से जिस पुण्य की प्राप्त, वही पुण्य माघ में स्नान से होगा प्राप्त : स्वामी ब्रह्मश्रम महराज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। संगम की रेती पर एक बार फरि से माघ मेला का दिव्य और भव्य आयोजन होने जा रहा है। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक और आध्यात्मिक मेले में ऐसा मुहूर्त आया है कि जो लोग महाकुंभ में नहीं आया था। वह इस माघ मेले में आकर पुण्य लाभ अर्जित कर सकते हैं। इस बार 75 वर्षों के बाद यानि 76वें वर्ष में सूर्य मकर राशि में अपने ही दिन यानी रविवार को प्रवेश कर रहे हैं जिससे माघ मेले में अद्भुत संयोग बना रहा है। यही वजह है कि योगी सरकार भी माघ मेला 2025 - 26 को मिनी कुंभ के तौर पर आयोजित कर रही है।

संगम की रेती पर तंबुओं का शहर आकर अब तेजी से आकार ले रहा है लेकिन इस बार माघ मेले में ऐसा अद्भुत संयोग बन रहा है कि जो लोग महाकुंभ में नहीं आ सके। इस माघ मेले में आकर पुण्य के भागी बन सकते हैं।

अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज ने बताया कि माघ मेला परंपरागत है और अनादि काल से चला रहा है। उन्होने बताया कि कुंभ, महाकुंभ और माघ मेले मुहूर्त पर लगते हैं। उन्होंने बताया कि माघ मास में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। तब माघ मेला लगता है। उन्होंने कहा है कि इस बार आदित्य यानी सूर्य का योग सूर्य के दिवस से ही शुरू हो रहा है जिस दिन सूर्य उत्तरायण होंगे उस दिन रविवार है यह अद्भुत संयोग 75 वर्षों बाद 76 वें वर्ष में हो रहा है। रविवार को आदित्यवार भी कहा गया है।

पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज ने बताया कि इस संयोग में संगम की त्रिवेणी में स्नान और दान का विशेष महत्व है और इससे जनमानस का भी कल्याण होगा। उन्होंने बताया कि कुंभ के दौरान स्नान करने से जिस पुण्य की प्राप्त होती है, वही पुण्य इस बार के माघ मेले में स्नान से भी प्राप्त होगा। पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज ने बताया कि इस बार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ सकती है इसलिए साधु, संतों के शिविरों में भी लोगों के रहने और भोजन की खास तैयारी की जा रही है।

वहीं योगी सरकार भी महाकुंभ के बाद आयोजित होने जा रहे इस माघ मेले को मिनी कुंभ के तौर पर आयोजित कर रही है। माघ मेलाधिकारी ऋषिराज ने बताया कि सरकार ने माघ मेले के क्षेत्रफल को 750 हेक्टेयर से बढ़कर 800 हेक्टेयर कर दिया है। मेले में एक अतिरिक्त सेक्टर बनाया जा रहा है। 6 के बजाय अब 7 सेक्टर बनाया जा रहा हैं। एक अतिरिक्त पांटून ब्रिज छह के बजाय सात पांटून ब्रिज बनाए जा रहे हैं। 2025 में दिव्य, भव्य और सुरक्षित महाकुंभ आयोजित हुआ था।

माघ मेलाधिकारी ऋषिराज ने बताया कि 2019 के कुंभ में जहां करीब 24 करोड़ लोग आए थे इसलिए सरकार का अनुमान है कि इस बार 15 से 18 करोड़ लोग माघ मेले में आ सकते हैं। मेले की तैयारियां तेजी से हो रही है। मेले का क्षेत्रफल, पांटून ब्रिज, अस्पतालों की क्षमता बढ़ाई जा रही है। मेले की सुविधाओं में इजाफा किया जा रहा है। स्वच्छता के मानक पर भी महाकुंभ की तर्ज पर मेले में तैयारी हो रही है। शौचालयों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

उन्होने बताया कि मेले में सुरक्षा का भी विशेष इंतजाम किया जा रहा है। माघ मेले में 17 थाने, 17 फायर स्टेशन और 42 पुलिस चौकियां बनाई जा रही हैं। महाकुंभ की तर्ज पर एआई बेस्ड कैमरों से क्राउड मैनेजमेंट और मॉनिटरिंग की जाएगी। स्नान घाटों पर डीप वाटर बैरिकेटिंग, जल पुलिस और गोताखोर तैनात किए जाएंगे। उन्होने बताया कि सरकार माघ मेले के इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए हर संभव तैयारी कर रही है।

देवरिया में डेल्हीवरी ने अपने ऑटोनॉमस लॉजिस्टिक ड्रोन का सफल परीक्षण किया

मंत्र भारत संवाददाता

देवरिया। भारत की सबसे बड़ी फुली-इंटिग्रेटेड लॉजिस्टिक सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी डेल्हीवरी ने आज उत्तर प्रदेश के देवरिया में अपने ऑटोनोमस वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग (वीटीओएल) ड्रोन तकनीक का सफल परीक्षण किया। यह प्रदर्शन डेल्हीवरी रोबोटिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया, जो डेल्हीवरी की सहायक कंपनी है और लॉजिस्टिक ड्रोन के डिजाइन और विनिर्माण पर कार्य कर रही है। इस परीक्षण का आयोजन देवरिया के माननीय सांसद श्री शशांक मणि की उपस्थिति में किया गया। डेल्हीवरी के हेड ऑफ इंजीनियरिंग श्री निखिल ऊमट ने कहा, 'हमारी तकनीक भारत की भौगोलिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। ट्रैफ़िक और रोड इंफ्रास्ट्रक्चर को पार कर हम 'नेक्स्ट-डे डिलीवरी' को 'नेक्स्ट-ऑवर डिलीवरी' में बदल सकते हैं, विशेषकर तात्कालिक शिपमेंट्स के लिए। देवरिया को इस पायलट के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि यह एक ऐसा शहरी केंद्र है जो व्यापक और कई बार दुर्गम ग्रामीण आबादी की सेवा करता है।

बदमाश 4 को कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में हुई पेरेंट्स-टीचर मीट में लगाई फटकार

वाराणसी। भारत के पसंदीदा टेलीविज़न किचन में इस बार गर्मी नहीं, बल्कि पैरेंट्स की एंट्री ने नया ट्विस्ट ला दिया है! कलर्स का 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3' इस वीकेंड लेकर आ रहा है एक धमाकेदार पेरेंट्स-टीचर एसोसिएशन स्पेशल। इस ब्लॉकबस्टर संडे, दर्शक 7:30 बजे कलर्स पर 'लाफ्टर शेफ्ससीज़न 3' का अल्टीमेट डिनर-टेमेंट एन्जॉय कर सकते हैं।

इस खास एपिसोड में 'चार बदमाश बच्चों' – एशा मलविया, ईशा सिंह, समर्थ जुरेल और अभिषेक कुमार पर सबकी नजर रहेगी। ये शरारती बैकबेंचर्स इस बार सामना करेंगे अपनी पीटीए अग्नि परीक्षा का, जब उनके माता-पिता उनकी 'कुकिंग रिपोर्ट काड्र्स' देखने पहुंचते हैं – और पहुँचते ही खुद भी उसी किचन के हंगामे में कूद पड़ते हैं! साधारण-सी शुरुआत जल्द ही उथल-पुथल में बदल जाती है, जब ईशा और एशा की मां टीम कांटा (समर्थ व अभिषेक) की मदद करने लगती हैं, जबकि पिता टीम छुरी का साथ देते हैं – और इस सबमें अपनी ही बेटियों को बिल्कुल नजरअंदाज कर देते हैं। लड़कियां हैरानी से देखती रह जाती हैं, जबकि उनकी माताएँ बाकी सभी की मदद में जुटी रहती हैं। लेकिन माता-पिता ऐसे ही होते हैं – मुकाबला हो या न हो, हर बच्चे की मदद अपने बच्चे की तरह कर ही देते हैं।

अचकारी प्रीमियर लीग सीज़न- 2 का आयोजन 25 से सांसद सीमा द्विवेदी करेगी प्रतियोगिता का शुभारम्भ

सभी मैच नॉक-आउट प्रारूप में खेले जाएंगे : आयोजक

क्षेत्रीय क्रिकेटरों के लिए बड़े मंच का बना प्रतीक : डा उत्कर्ष द्विवेदी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/जौनपुर। पूर्वांचल में क्रिकेट का सबसे चर्चित आयोजन बन चुका अचकारी प्रीमियर लीग (एपीएल) सीज़न- 2 का आयोजन वर्ष 25 दिसम्बर 2025 से एक जनवरी 2026 तक शानदार आयोजन होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट ग्राम अचकारी स्थित बंडाला स्टेडियम (निकट बेलवार बाजार) में होने जा रहा है, जो जौनपुर जिले के प्रमुख खेल मैदानों में गिना जाता है।प्रतियोगिता में प्रयागराज जिले की टीम सहित प्रदेश के अलग - अलग जिलों से एक दर्जन टीमें शामिल होगी। प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 1.51लाख रूपये नकद और द्वितीय विजेता को 75 हजार रूपये एवं अन्य टीमों और अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को सात्वना पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

अचकारी प्रीमियर लीग (एपीएल) सीज़न- 2 के आयोजक डॉ. उत्कर्ष द्विवेदी (एमबीबीएस, एमएस) हैं, जो वरिष्ठ भाजपा नेत्री और राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी एवं बीएचयू के प्रो (डा) अरुण कुमार द्विवेदी के बेटे हैं। उनकी पहल से यह एपीएल लीग अब जौनपुर जिले के आसपास के जिलों के क्रिकेटरों के लिए बड़े मंच का प्रतीक बन चुकी है।

अचकारी प्रीमियर लीग (एपीएल) सीज़न- 2 के आयोजक डॉ. उत्कर्ष द्विवेदी ने बताया कि लेदर बॉल से रोमांचक मुकाबले होगे और प्रतियोगिता में 16 टीमें भाग लेगी। उन्होंने बताया कि इस बार एपीएल में कुल 16 टीमें भाग लेंगी और सभी मैच नॉक-आउट प्रारूप में खेले जाएंगे। मैचों में डीआरएस सिस्टम का उपयोग किया जाएगा, जिससे टूर्नामेंट और अधिक पेशेवर व निष्पक्ष बनेगा। लेदर बॉल में मैच होने से खिलाड़ियों की तकनीक और फिटनेस दोनों की वास्तविक परख होगी। अचकारी प्रीमियर लीग (एपीएल) सीज़न- 2 के आयोजक डॉ. उत्कर्ष द्विवेदी ने आज बताया कि अचकारी प्रीमियर लीग (एपीएल) सीज़न- 2 के दौरान भारी पुरस्कार राशि और विशेष उपहार खिलाडियों को दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि विजेता टीम को ?1, 51, 000 और उप-विजेता टीम को ?75, 000 रूपये नकद धनराशि पुरस्कार स्वरुप दी जाएगी। आयोजक डा उत्कर्ष द्विवेदी ने बताया कि इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट खिलाड़ियों को एसी, टीवी, गीजर जैसे आकर्षक पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

आयोजक डा उत्कर्ष द्विवेदी ने बताया कि प्रतिदिन 20, 000 से अधिक दर्शकों के मैच देखने की संभावना है। प्रतियोगिता के आयोजक डा उत्कर्ष द्विवेदी ने बताया कि बंडाला स्टेडियम में होने वाले फाइनल मुकाबले को लेकर उत्साह चरम पर है। प्रतियोगिता के आयोजक डा उत्कर्ष द्विवेदी ने बताया कि खिलाड़ियों के लिए यह सुनहरा अवसर है। एपीएल सीज़न- 2 युवा खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अपने हुनर का प्रदर्शन करने का मौका देगा। क्षेत्रीय क्रिकेट मंथ यह लीग अब एक प्रतिष्ठित ब्रांड बन चुकी है, जहाँ से कई प्रतिभाएँ उभरकर सामने आ रही हैं।आयोजक डॉ. उत्कर्ष द्विवेदी ने कहा कि हमारा लक्ष्य ग्रामीण प्रतिभाओं को पेशेवर मंच उपलब्ध कराना है। एपीएल को हर वर्ष और बड़े स्तर पर आयोजित कर, पूर्वांचल को क्रिकेट की नई पहचान दिलाना हमारा संकल्प है।

पूर्व महापौर ने विवाहित जोड़ों को दी शुभकामनाएं

साहू एकता मंच द्वारा आयोजित 15 वें निःशुल्क सर्वसमाज सामूहिक विवाह समारोह में हुईं सम्मिलित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने रविवार को के.पी. कॉलेज मैदान में साहू एकता मंच द्वारा आयोजित 15 वें निःशुल्क सर्वसमाज सामूहिक विवाह महायज्ञ में सम्मिलित हुईं। उन्होंने सामूहिक विवाह समारोह में वैवाहिक बंधन में बंधे सभी वर-वधुओं को मंगलमय जीवन हेतु अनंत शुभकामनाएं व बधाई दी। सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने कहा कि यह आयोजन न केवल सामाजिक समरसता का प्रतीक है। बल्कि सेवा, सहयोग और सनातन मूल्यों की सजीव अभिव्यक्ति भी है। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद साहू, महासचिव शंकर लाल साहू, कोषाध्यक्ष राम लोचन साहू एवं समाज के प्रतिष्ठित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने राष्ट्रीय शिल्प मेले में बांधा समां! डांडिया स्टिक्स की खनक और भांगड़ा ने दर्शकों को किया अभिभूत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। तन पर घाघरा-चोली, धोती -कुर्ता-पगड़ी और चटकीले परिधान आधुनिकता संग परंपरा को सहेजने वाला साज तो जुगलबंदी के लिए कर्णप्रिय सुरीली आवाज। मस्ती का आलम में हर कोई भरपूर आनंद लेने को बेताब था। सुरीले गीतों पर किसी के होठ हिल रहे थे तो किसी के पांव थिरक रहे थे। चंद्रमा से उतर रही शीतलता को माहौल की गर्मी से चुनौती मिल रही तो खुले आसमान के नीचे सतरंगी चकाचौंध से रात जवां हो रही थी। शहरवासियों के लिए यह उत्साह व उल्लास भरा माहौल रविवार को खचाखच भरे शिल्प हाट के प्रागंण में देखने को मिला। मंच पर युवा गायिका शुभी पाण्डेय के स्वर गूंजे तो ढोलिडा ढोल धीमो, पंखिड़ा तू उड़ी जाजे, केसरियो रंग तने लाग्यो गीत पर डांडिया की छड़ियां आपस में टकराकर ताल का नया संसार रचने लगीं। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत आयोजित राष्ट्रीय शिल्प मेला की सातवीं सांस्कृतिक निशा में लोक कलाकारों ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अजय कुमार मिश्रा, पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज, और भगवती सिंह, सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज ने दीप प्रज्वलित कर किया। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ संजीव गुप्ता, ए. डी. जी., प्रयागराज, प्रोफेसर सत्यकाम वाइस चांसलर राजषी टंडन मुक्त विश्वविद्यालय व राम प्रकाश राय को अंग वस्त्र और पौधा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने स्वागत उद्बोधन दिया।

भक्ति और भाव का संगम - सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत प्रयागराज की उभरती गायिका शुभी पाण्डेय ने मनमोहक भजनों और गीतों से की। उन्होंने 'बाजे रे मुरलिया बाजे', 'ओ जी हरि किट गए', 'रे मेरा मान कृष्ण नाम कहीं लीजिये', 'मन लाग्यो मेरो यार फकीरी में' और 'प्रयाग नगरी बसे संगम के तीरे' जैसे गीतों को पेश कर श्रोताओं से खूब वाहवाही लूटी। इसके बाद, गजल गायक संतोष पाण्डेय ने 'इस तरह मोहब्बत की शुरुआत कीजिए', 'साथ छूटेगा कैसे मेरा आपका' और 'मोहे आईने जग से लाज' जैसी ग़ज़लों की प्रस्तुति दी, जिसने माहौल को रूमानी बना दिया।

शक्ति और शौर्य की प्रस्तुति - शिल्प मेले के मंच पर सिंजनी सरकार एवं साथी कलाकारों ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा रावण पर युद्ध से पहले देवी शक्ति की पूजा के संकल्प पर आधारित भरतनाट्यम की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उनकी हर लय और ताल पर दर्शकों ने जमकर तालियाँ बजाईं।

लोक नृत्यों का जलवा- इसके बाद विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों की श्रृंखला शुरू हुई जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।अमरेंद्र सिंह ने पंजाब का ओजपूर्ण भांगड़ा और जिंदुआ नृत्य प्रस्तुत किया इसके बाद नितिन दवे ने आकर्षक डांडिया नृत्य पेश कर खूब दर्शकों को झुमाया।शब्बीर सिद्धी एवं साथी कलाकारों ने उत्साह से भरपूर सिद्धी धमाल नृत्य की प्रस्तुति दी।तमिलनाडु से आए कलाकारों ने पारंपरिक अम्मन अट्टम नृत्य पेश किया वहीं, शरद अनुरागी ने वीर रस से भरी 'कजली की लड़ाई' को आल्हा के माध्यम से प्रस्तुत कर शौर्य की गाथा सुनाई।कार्यक्रम का संचालन प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया।

मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर कमिश्नरेट प्रयागराज की मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को थाना क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई, इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

केंद्रीय विद्यालय पण्डिला में छात्र की पिटाई, पिता ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ पुलिस को दी तहरीर

थरवई (प्रयागराज)। केंद्रीय विद्यालय सीआरपीएफ पण्डिला में कक्षा 6 के छात्र की शिक्षक द्वारा पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। छात्र शाश्वत विश्वकर्मा निवासी बहमलपुर ने आरोप लगाया कि शनिवार दोपहर किसी बात से नाराज होकर शिक्षक ने उसे जूते-चप्पल से पीटा, जिससे वह सहम गया और मानसिक रूप से आहत हुआ।रविवार को पीड़ित छात्र के पिता अरविंद विश्वकर्मा ने थरवई थाने में आरोपी शिक्षक के खिलाफ मारपीट अपमान करने से संबंधित लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक थरवई ने बताया कि सोमवार को विद्यालय खुलने पर पूरे प्रकरण की जांच की जाएगी। जांच में तथ्य स्पष्ट होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अपर नगर मजिस्ट्रेट ने किया कई विद्यालयों का निरीक्षण, बीएलओ को दिए तेजी से कार्य निपटाने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत अपर नगर मजिस्ट्रेट हीरालाल सैनी ने रविवार को थरवई क्षेत्र के कई विद्यालयों का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर पूरे चंदा स्थित बूथ संख्या 374, 375 और 376 पर पहुंचकर उन्होंने कार्य प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान बूथ संख्या 374 पर 94 प्रतिशत, बूथ 375 पर 82 प्रतिशत तथा बूथ 376 पर 96 प्रतिशत कार्य पूरा पाया गया। उन्होंने उपस्थित बीएलओ से एक-एक विवरण पूछकर कार्यों की गहन जांच की और लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। और कहा कि विशेष पुनरीक्षण अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत कार्य हर हाल में पूरा होना चाहिए।इस दौरान तहसीलदार सोराम राजेश कुमार पाल, प्रधानाध्यापक अतुल कुमार मौर्य, करुणा पांडे, सुपरवाइजर सुभाष पटेल, वेदमनी पांडे, संगीता भारतीय, मंजू भारतीय सहित अन्य अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

एसआईआर के बचे हुए आवेदन शीघ्र करें जमा : हीरालाल सैनी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विधानसभा - 254 फाफामऊ के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / एसीएम तृतीय हीरालाल सैनी और तहसीलदार सोरांव ने विभिन्न बूथों का आज निरीक्षण कर एआईआर की प्रगति जानी। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / एसीएम तृतीय हीरालाल सैनी ने बताया कि बूथ संख्या- 368, 369 और 370 के बीएलओ और सुपरवाइजर प्रभाकर मौर्या, केंद्र प्राथमिक विद्यालय थरवई प्रथम, बूथ संख्या 373, 374, 375 के बीएलओ व सुपरवाइजर सुभाषचंद्र, केंद्र प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर पूरेचंदा, बूथ संख्या - 341, 342, 3 43, 344 के बीएलओ व सुपरवाइजर दयानन्द मिश्र, केंद्र - प्राथमिक विद्यालय जैतवारडीह, बूथ संख्या 350, 351, 352 के बीएलओ व सुपरवाइजर संतोष यादव, केंद्र - कम्पोजिट विद्यालय पडिला पर जाकर फीडिंग से संबंधित अनमैप्ड मतदाताओं को मैप्ड में ले जाने के लिए बूथवार स्क्रुटनी से संबंधित जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त शिक्षकों को साथ में सहयोग के लिए लगाते हुए समयबद्ध कार्य आवंटित किया गया जिससे दो दिवस में सारे कार्य पूर्ण किए जा सके। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / एसीएम तृतीय हीरालाल सैनी भ्रमण के दौरान सभी केंद्रों पर सहायता के लिए शिक्षक, कोटेदार व विभिन्न पार्टियों के नेता, ग्रामवासी मतदाता उपस्थित थे। उन्होंने सभी को निर्देशित किया है कि शीघ्र एसआईआर के बचे हुए आवेदन शीघ्र जमा करें।

मंत्री नन्दी ने अधिकारियों को बीएलओ की लापरवाही से अवगत कराया

नैनी के बूथ संख्या 344 केदारनाथ सड़वा में तैनात बीएलओ निर्भय कुमार पर मतदाताओं ने भ्रमित करने और फॉर्म न दिए जाने की शिकायत की

मंत्री नन्दी के साथ ही प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने भी मतदाताओं से एसआईआर फॉर्म भरने की अपील की

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी रविवार को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के एडीए कॉलोनी नैनी स्थित आरआरबी इंटर कॉलेज नवज्योति इंटर कॉलेज मुट्ठीगंज स्थित आर्यकन्या इंटर कॉलेज, मुट्ठीगंज स्थित डॉ. केपी जायसवाल इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में सम्मिलित हुए। वहीं नैनी के एक मतदान केंद्र पर बीएलओ की शिकायत और लापरवाही सामने आने पर मंत्री नन्दी ने नायब तहसीलदार को बीएलओ की लापरवाही से अवगत कराया। अभियान में सम्मिलित होने के पूर्व औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बहादुरगंज स्थित अपने आवास पर अपना गणना प्रपत्र स्वयं भर कर बीएलओ को उपलब्ध कराया। मतदान के अधिकार एवं लोकतंत्र की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रिया को पूरा किया।

मंत्री नन्दी ने कहा कि मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान मतदाता सूची को सही, अद्यतन और पारदर्शी बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चुनाव आयोग की यह पहल लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करती है। इसलिए सभी मतदाताओं से अपील है कि वे एसआईआर फार्म जरूर भरें। एक जागरूक नागरिक बन कर न केवल अपने अधिकार को सुरक्षित करें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुदृढ़ और पारदर्शी लोकतंत्र की नींव रखने में योगदान दें।

मंत्री नन्दी शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के एडीए कॉलोनी नैनी स्थित आरआरबी इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर पहुंचे तो वहां 60 प्रतिशत से अधिक फार्म भरे जा चुके थे। लेकिन वहां पर तैनात

सुपरवाइजर ने बताया कि 1135 मतदाताओं में से केवल 362 मतदाताओं के ही फार्म भर कर वापस आए हैं। नैनी स्थित नवज्योति इंटर कॉलेज मतदान केंद्र बीएलओ विद्युत विभाग के लिपिक निर्भय कुमार द्वारा की जा रही मनमानी और लापरवाही की शिकायत मतदाताओं द्वारा की गई, जिन्हें बूथ संख्या 344 केदारनाथ सड़वा की जिम्मेदारी दी गई है। मतदाताओं द्वारा शिकायत की गई कि बीएलओ निर्भय कुमार ने मतदाताओं को भ्रमित करते हुए कहा कि अब उन्हें फॉर्म नहीं मिल सकता है। जिस पर मंत्री नन्दी ने नायब तहसीलदार संध्या गोस्वामी को बीएलओ निर्भय कुमार की लापरवाही से अवगत कराते हुए कार्रवाई के लिए कहा। क्योंकि बीएलओ निर्भय कुमार मतदाताओं को भ्रमित कर रहे हैं और एसआईआर फार्म भरने की संख्या को नहीं बढ़ने दे रहे हैं।

मंत्री नन्दी मुट्ठीगंज स्थित आर्यकन्या इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर पहुंचे तो वहां तैनात सुपरवाईजर एसओसी ने शिकायत करते हुए मंत्री नन्दी को बताया कि यहां पर लगाए गए करीब दस बीएलए मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्य को निर्धारित समय में पूरा करने में अपना सहयोग नहीं दे रहे हैं। जिस पर मंत्री नन्दी ने सभी बीएलए के नाम की लिस्ट मांगते हुए मुट्ठीगंज मंडल अध्यक्ष से कहा कि कार्य पूरा करने के लिए अन्य बीएलए को जिम्मेदारी सौंपी जाए।

प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के चौक मंडल में केसर विद्यापीठ और इलाहाबाद इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर जाकर मतदाताओं से मुलाकात की। इस दौरान एसआईआर से सम्बंधित फॉर्म भरवाने एवं तय सीमा अवधि में जमा कराने जैसे विषयों पर आई बीएलओ एवं मतदाताओं से चर्चा की। पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने कहा कि मतदाता सूची में प्रत्येक मतदाता का नाम शामिल हो यह सभी की जिम्मेदारी है। मतदाताओं को स्वयं जागरूक होकर मजबूत लोकतंत्र निर्माण के इस प्रक्रिया में सम्मिलित होना होगा।

सरस्वती शिशु मंदिर में मनाया गया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

सुरक्षा के पीछे सैनिकों का है बहुत बड़ा त्याग : इन्द्रजीत त्रिपाठी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती शिशु मंदिर, सिविल लाइन्स में 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। छात्रों ने देशभक्ति कविताओं की प्रस्तुति की, जिससे वातावरण देश प्रेम के रंग में रंग गया। प्रधानाचार्य इन्द्रजीत त्रिपाठी ने कहा कि 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमारी सुरक्षा के पीछे सैनिकों का बहुत बड़ा त्याग है। यह दिन उन वीर सैनिकों को याद करने का है जो विषम परिस्थितियों में भी देश की रक्षा के लिए डटे रहते हैं। शिशु वाटिका प्रमुख श्रीमती कंचन लता व समस्त आचार्य ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ हुआ। बच्चों ने संकल्प लिया कि हम देश की सेवा व देश के सैनिकों का सम्मान करेंगे।

नृत्य कर प्लास्टिक मुक्ति का दिया संदेश अतिथियों ने बच्चों को किया प्रोत्साहित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जगत तारन गोल्डेन जुबली स्कूल (जेटी) में वार्षिकोत्सव विरासत का आयोजन आज भव्यता के साथ हुआ। विघ्नहर्ता भगवान गणेश के पूजन के बाद विद्यार्थियों ने नृत्य, योग, मार्शल आर्ट जैसी प्रतियोगिताओं में कौशल दिखाया। नाटक 'अशोक का शस्त्रत्याग' ने भारत के गौरवशाली इतिहास को मंच पर जीवंत किया। टैगोर सदन ने नृत्यनाटिका 'युगांतर' के माध्यम से युग परिवर्तन की झांकी प्रस्तुत की। सुभाष सदन ने मराठा योद्धाओं की वीरता को आंखों पर पट्टी बांधकर प्रस्तुत किया, बंकिम सदन ने त्योहारों की छटा बिखेरी।

विवेकानन्द सदन ने समुद्र मंथन की प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया। बच्चों ने नृत्य के माध्यम से प्लास्टिक मुक्ति का संदेश दिया। छात्र दिव्यांश मिश्रा ने गोल्डेन जुबिली की स्वर्णिम विरासत को कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया। 2024-25 में कक्षा 10 व कक्षा 12 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। डा. अमिताभ बासु ने 12 वीं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए छात्रा प्रिंसी यादव, कक्षा 10 में सर्वश्रेष्ठ स्थान के लिए ज्योति सिंह को सती बासु स्मृति पुरस्कार दिया। प्राची मिश्रा, जाह्नवी चौरसिया के साथ पूर्व शिक्षिका स्वप्ना मुखर्जी ने गणित विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अनुराग तिवारी एवं उज्ज्वल सिंह को सम्मानित, रसायन शास्त्र में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भार्गवी चौरसिया सम्मानित हुई। इसके पूर्व मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सिद्धार्थ, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश पांडेय, प्रदीप मुखर्जी, डा. असीम मुखर्जी, डा. प्रोबाल नियोगी, मनोज बनर्जी, संजीव चंदा, शंकर चटर्जी, प्रधानाचार्य सुष्मिता कानूनगो ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

पतंजलि नर्सरी स्कूल का वार्षिक खेल समारोह संपन्न बच्चों की प्रस्तुति पर बजती रही तालियां, जीते मेडल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पतंजलि नर्सरी स्कूल का महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर के प्रांगण में थीम स्पिरिट एण्ड स्माइल के तहत वार्षिक खेल समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें अभिभावकों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ पतंजलि नर्सरी स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती विभा श्रीवास्तव के स्वागत संबोधन एवं खेल दिवस की घोषणा से हुआ। उद्घाटन के बाद केजी के बच्चों ने सूर्य नमस्कार की सामूहिक प्रस्तुति देते हुए लचीलापन और अनुशासन का सुंदर प्रदर्शन किया। प्रेप वर्ग ने चंद्र नमस्कार प्रस्तुत किया, जिसमें बच्चों की सधी ताल और आकर्षक मुद्राएँ विशेष रूप से सराही गईं। केजी वर्ग की ड्रिल प्रस्तुत की गई, जिसने समारोह के वातावरण में ऊर्जा और उत्साह भर दिया। प्रेप वर्ग की रिले बैटन रेस आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने जोश के साथ भाग लिया और प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को पदक प्रदान किए गए।

केजी और प्रेप दोनों वर्गों ने संयुक्त रूप से मार्शल आर्ट्स प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को प्रभावित किया। केजी वर्ग की जुम्बा प्रस्तुति ने प्रांगण में उपस्थित लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। प्रेप वर्ग की ट्विन पार्टनर रेस आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता के उपरांत विजेता बच्चों को पदक देकर सम्मानित किया गया। प्रेप वर्ग की तितली आधारित 'बटरफ्लाई ड्रिल' प्रस्तुत की गई, जिसके रंगों और सजीवता ने दर्शकों को आकर्षित किया। केजी वर्ग की फ्लैट रेस आयोजित हुई, जिसमें बच्चों ने अपनी गति और फुर्ती का शानदार प्रदर्शन किया। इस रेस के विजयी बच्चों को पदक प्रदान किए गए।

विद्यालय निदेशिका श्रीमती रेखा वैद गुप्ता ने सभी बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व और समग्र व्यक्तित्व विकास में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रेप वर्ग के विद्यार्थियों ने 'जूनियर जिम्नास्ट' कार्यक्रम के माध्यम से संतुलन, लचीलापन और नियंत्रण का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके बाद केजी वर्ग की 'बनी रेस' और 'हनी बी' रेस आयोजित हुई, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रेस के विजेताओं को पदक प्रदान किए गए। देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुति 'खेलेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया' ने पूरे वातावरण को भावपूर्ण और प्रेरणादायक बना दिया। संगीत विभाग के बच्चों एवं शिक्षकों ने समापन गीत प्रस्तुत किया धन्यवाद ज्ञापन के साथ राष्ट्रीय गान हुआ।

सम्पादकीय

नरेंद्र मोदी सरकार संवाद, चर्चा और बहस के सख्त खिलाफ है

यह तंज किसी से छिपा नहीं था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 दिसंबर, 2025 को अपने 'परंपरागत' सत्र-पूर्व भाषण में संसद सदस्यों- विशेषकर 'एक या दो दलों' से यह याद रखने का आग्रह किया कि संसद एक ऐसी जगह है, जहां 'कार्य होना चाहिए, नाटक नहीं'।

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत अशुभ रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुछ शब्द यहां उद्धृत करने लायक हैं:

'दुर्भाग्य से एक-दो पार्टियां ऐसी हैं, जो अपनी हार को भी पचा नहीं पाती हैं। मुझे लगा था कि बिहार के नतीजों को काफी समय बीत चुका है और वे संभल गए होंगे, लेकिन कल उनके बयान सुनकर ऐसा लग रहा है कि उनकी हार उन्हें अभी भी परेशान कर रही है। ष्ठ

'ष्ठदेश में नारे लगाने के लिए बहुत जगह है। आप वहां नारे लगा चुके हैं, जहां आप हारे थे। आप वहां भी नारे लगा सकते हैं, जहां अगली बार हारने वाले हैं। लेकिन यहां हमें नारों पर नहीं, नीतियों पर जोर देना चाहिए।'

उन्होंने राज्य-विशेष के दलों पर भी तंज कसा- 'कुछ राज्यों में सत्ता-विरोधी भावना इतनी ज्यादा है कि वहां सत्ता में रहने के बाद भी नेता जनता के बीच नहीं जा पातेष्ठ वे संसद में आकर अपना सारा गुस्सा यहीं निकाल देते हैं।'

यह एक तरह का दोहरा चरित्र था। संसद के हर सत्र की शुरुआत में सरकार दुनिया के सामने यह घोषणा करती है कि उसके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है और न ही डरने की कोई बात है, और संसद में किसी भी विषय पर चर्चा हो सकती है। मगर इसमें एक पेच हैः वह पेच है 'नियमों के अधीन'। नियम, प्रक्रिया के नियमों की किताब में हैं, लेकिन उनकी व्याख्या और अनुप्रयोग पीठासीन अधिकारी (अध्यक्ष या सभापति) के हाथ में है, जो अक्सर सदन में सत्तापक्ष के नेताओं के परामर्श से होता है। जब विपक्ष कार्य मंत्रणा समिति में अपना एजंडा रखता है, तो सरकार हमेशा हर विषय का विरोध करती है। इससे कटुता पैदा होती है, और जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा, 'नाटक' होता है।

विधेयक और बजट सरकार का एजंडा हैं। प्रश्नकाल में चर्चा की अनुमति नहीं होती। विपक्ष की पहल पर एक वास्तविक एवं स्वतंत्र चर्चा केवल कार्य स्थगन प्रस्ताव या कुछ हद तक अल्पकालिक चर्चा या फिर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से ही हो सकती है। ये संसदीय प्रक्रियाएं समय-समय पर अपनाई जाती हैं और इनके अपने नियम हैं।

कार्य स्थगन प्रस्ताव को किसी कारणवश सरकार की निंदा माना जाता है। जबकि, नियम पूरी तरह स्पष्ट हैः लोकसभा में नियम-57 कहता हैः कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस केंद्र सरकार की जिम्मेदारी से जुड़े किसी हाल ही में घटित विशिष्ट मामले पर दिया जाएगा। राज्यसभा में नियम-267 अति महत्त्वपूर्ण विषय पर सदन का कार्य स्थगित कर चर्चा की अनुमति देता है।

आंकड़े खुद ही सब कुछ बयां कर देते हैं। अपने पहले कार्यकाल में मोदी सरकार ने कार्य स्थगन प्रस्ताव का विरोध किया था, क्योंकि उसे ऐसे प्रस्ताव को लेकर अनुचित धारणा का डर था। तब सरकार अल्पकालिक चर्चाओं या ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के प्रति कुछ उदार थी, लेकिन दूसरे कार्यकाल में इन पर सरकार की असहिष्णुता साफ दिखाई दी; दरवाजे बंद थे, लेकिन खिड़कियां खुली थीं। तीसरे कार्यकाल में भाजपा साधारण बहुमत से भी कम समर्थन हासिल कर सत्ता में लौटी और सरकार ने खिड़कियां भी बंद कर दीं। क्या हमें यह मान लेना चाहिए कि कोई ऐसा तात्कालिक सार्वजनिक महत्त्व का मामला नहीं था, जिस पर चर्चा की जानी चाहिए?

दुर्भाग्य से लोकसभा की तुलना में राज्यसभा में बहस को ज्यादा रोका गया। कई सदस्यों ने इसके लिए तत्कालीन पीठासीन अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया। सितंबर में राज्यसभा में नए सभापति ने कार्यभार संभाला। मुझे लगता है कि सभापति अभी सीख रहे हैं; इसके अलावा इस बार का शीतकालीन सत्र कोई राय बनाने के लिए बहुत छोटा है। सीधे शब्दों में कहें तो, सरकार इस बात को नहीं मानती कि एक जीवंत और बहस-समृद्ध संसद लोकतंत्र को मजबूत करेगी। मोदी के नेतृत्व वाली सरकार संवाद, चर्चा और बहस के सख्त खिलाफ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्र-पूर्व बयानों की विडंबना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

पेगासस' का नया वर्जन 'संचार साथी', पुतिन की केजीबी से मोदी का ऐप राज; जासूसी पर तवलीन सिंह बता रहीं अंदर की बात

अच्छी बात है कि भारत सरकार ने आम लोगों का विरोध देख कर संचार साथी योजना रद्द कर दी है। फिलहाल। सवाल लेकिन अभी भी यह है कि इस जासूसी योजना के पीछे कौन लोग थे और उनकी मंशा क्या थी! साइबर सुरक्षा के बहाने किस आला मंत्री या अधिकारी ने सोचा कि साइबर डकैतों को रोकने के लिए एक ऐसा ऐप बनाया जाए जो भारत में बनने वाले हर सेलफोन में डालना अनिवार्य किया जाए? इन सवालों के जवाब ढूंढ़ना इसलिए जरूरी है कि वैसे भी सरकारी नजर हमारे निजी जीवन पर कुछ ज्यादा होती है आजकल।

आम लोग बेशक इस सरकारी दखलंदाजी से बच सकते हैं, लेकिन अगर हर फोन में एक जासूस बैठाने की कोशिश सफल हो जाती, तो भारतीय लोकतंत्र दुनिया की दृष्टि में कमजोर दिखने लगेगा। इस किस्म की जासूसी होती है अक्सर रूस, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों में जहां लोकतंत्र नहीं, लोकतंत्र का ढोंग रचा जाता है झूठे चुनाव कराके। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अभी दिल्ली में थे, इसलिए बात उन्हीं से शुरू करते हैं।

पुतिन का आधे से ज्यादा जीवन बीता था रूस की शक्तिशाली केजीबी में काम करते। यह ऐसी जासूसी संस्था है, जिसने शीत युद्ध के समय से जासूसी द्वारा अपनी विदेश नीति बनाई थी। जासूसी पर इतना भरोसा था रूस के कम्युनिस्ट शासकों को कि अपने जासूसों को पश्चिमी देशों में रहने के लिए भेजा करते थे, जहां उनको अपनी रूसी पहचान मिटा कर बिल्कुल स्थानीय

नागरिक की तरह बनने के लिए कहा जाता था। बरसों तक ये पकड़े नहीं जाते थे। इन चीजों के बारे में तब पता लगने लगा पश्चिमी देशों को जब, केजीबी के बड़े अफसर रूस से तंग आकर किसी दूसरे देश में भाग जाते थे।

ऐसा ही एक आला अफसर था वसीली मित्रोखीन, जिसने रूस से भाग जाने के बाद केजीबी के सारे राज 'मित्रोखीन आर्काइव' नाम की किताबों में बता दिए थे। इन किताबों के जरिए मालूम हुआ कि इंदिरा गांधी के कई मंत्री केजीबी से जासूसी के लिए वेतन लेते थे। यह भी मालूम हुआ कि कुछ वामपंथी पत्रकार भी रूस का साथ विचारधारा के आधार पर नहीं, पैसों के लिए दे रहे थे। इन चीजों से 'संचार साथी' का क्या वास्ता है? गहरा वास्ता है, क्योंकि यह ऐप अगर डाले जाते हैं हमारे सेलफोन में, तो यकीन मानिए कि इनका असली काम साइबर सुरक्षा नहीं, जासूसी होगा। बिल्कुल वैसे, जैसे कुछ साल पहले सरकार ने 'पेगासस' नाम का ऐप इजराइल से खरीद कर पत्रकारों, राजनेताओं, वामपंथियों और विरोधियों के मोबाइल फोन में डालने की कोशिश की थी। असल में बात साइबर सुरक्षा की है ही नहीं।

राजनेता जितने बड़े हो जाते हैं, उतना ही वे अपने आपको असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। इस दौर में हाल यह है कि प्रधानमंत्री खुद अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं इतना कि पिछले ग्यारह साल में उन्होंने एक भी प्रेस वार्ता को संबोधित नहीं किया है। सच यह भी है कि जब भी कोई पत्रकार उनकी आलोचना करता है अपने किसी अनजान 'पाडकास्ट' पर, तो उसके खिलाफ सरकार कार्रवाई किए बगैर नहीं रहती है। कुछ लोगों पर इतनी सख्त कार्रवाई होती है कि उनके 'पाडकास्ट' ही बंद हो जाते हैं। इस तरह की जासूसी में नई कड़ी बनने वाला था 'संचार साथी'। जब इसका विरोध होने लगा, तो सरकार ने पहले तो सफाई देने की कोशिश की यह कह कर कि इसको अपने फोन में डालना अनिवार्य नहीं होगा और इसको कभी भी हटाया जा सकता है, लेकिन बात नहीं बनी। इसलिए कि सोशल मीडिया पर खूब हल्ला मचाया पत्रकारों और नेताओं ने।

अभी के लिए इस योजना को सरकार ने वापस ले लिया है, लेकिन एक बार फिर नुकसान हुआ है नरेंद्र मोदी की निजी छवि का। न्यूयार्क में मुझे पिछले दस दिनों में ऐसे लोग मिले जिन्होंने स्पष्ट कहा कि उनकी नजरों में नरेंद्र मोदी एक लोकतांत्रिक राजनेता नहीं, तानाशाही फितरत के राजनेता हैं। ऐसा नहीं है कि यही बात डोनाल्ड ट्रंप के बारे में भी नहीं कही जाती है, लेकिन इसलिए कि ट्रंप रोज मिलते हैं पत्रकारों से और बेबाक तरीके से अपनी बातें रखते हैं, उनकी छवि अपने प्रधानमंत्री से थोड़ी बेहतर है।

चुनावों के नतीजे बताते हैं कि मोदी की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है, तो प्रधानमंत्री अपने आपको इतना असुरक्षित क्यों महसूस करते हैं? क्यों नहीं उनमें कम से कम इतना आत्मविश्वास है जिसके बिना इतने बड़े देश को ढंग से चलाना मुश्किल है? थोड़ा-सा आत्मविश्वास दिखाते, तो संभव है कि विश्व के बड़े राजनेताओं में उनकी भी गिनती होती। न्यूयार्क में मुझे कई लोग मिले, जिन्होंने स्वीकार किया कि मोदी के आने के बाद भारत में विकास की रफ्तार बहुत बढ़ी है। उनका कहना था कि जब वे आजकल भारत आते हैं, तो उनको आश्चर्य होता है नई सड़कें और नए हवाई अड्डे देख कर। ऐसा कहने के बाद लेकिन यह भी हमेशा कहते हैं कि मोदी को वे पसंद नहीं करते हैं, क्योंकि वे लोकतांत्रिक नहीं हैं।

संचार साथी वाली योजना का जिक्र अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी हुआ है और अक्सर इसके बारे में लोग कहते हैं कि ऐसी चीजें लोकतांत्रिक देशों में जब होने लगती हैं, तो सबूत मिलता है कि लोकतंत्र कमजोर किया जा रहा है। आमराय यही बन रही है दुनिया में कि भारत में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है इतना कि देश की छवि अब उदारवादी लोकतांत्रिक देश की न रह कर थोड़ा बहुत ऐसी हो रही है जैसे रूस और पाकिस्तान की है। यानी इन देशों में चुनाव होते तो हैं, लेकिन लोकतंत्र पर बेड़ियां डाल कर, ताकि जब कोई इमरान खान जैसा कठिन राजनेता जीत जाता है, उसको जेल में डाल कर चलती है देश की गाड़ी।

एक ही दुनिया में कितने नजरिए, क्यों जरूरी है अलग सोच का सम्मान?

हम न जाने रोज कितने चेहरे देखते हैं। कभी अपने आसपास, तो कभी बाहर, चहलकदमी करते हुए या फिर सफर के दौरान। ये सभी चेहरे एक दूसरे से भिन्न होते हैं। अगर मनुष्येतर प्राणियों और पौधों की विविधता को छोड़ भी दें, तो अलग-अलग चेहरों और उनकी शारीरिक भिन्नता को देखकर बहुत आश्चर्य होता है। बिल्कुल जादू की तरह। इनकी विभिन्नता देख मन में सवाल भी उठता है कि आखिर बनाने वाले ने इतनी विभिन्नता कहां से पाई! देखा जाए तो यही विविधता मानव सभ्यता का आधार है। जिस तरह हमारे ही हाथ की पांचों अंगुलियां बराबर नहीं होतीं, उनकी बनावट अलग-अलग होती है, उसी तरह मनुष्यों में भी विविध खान-पान, विविध पहनावा, विविध भाषाएं और सबसे बढ़कर विचारों की विविधता पाई जाती है। साथ ही यहां हर व्यक्ति अपने जीवन में अलग तरह के अनुभवों, परिस्थितियों, शिक्षा, मूल्यों और दृष्टिकोणों से होकर गुजरता है। यही कारण है कि उसकी सोच दूसरों से अलग और अनोखी बन जाती है।

एक ही घटना को देखकर पांच लोग पांच अलग प्रतिक्रियाएं देते हैं। नैतिकता का सार भी इसी विविधता को समझने, स्वीकार करने और उसका सम्मान करने में निहित है। बड़ी बात यह नहीं कि हमारी सोच किससे मेल खाती है, बल्कि यह कि हम दूसरों की कल्पना और विचारों को कितनी गरिमा देते हैं। उसे कितना अपना पाते हैं। कहीं हम अपने ही पूर्वाग्रहों से ग्रसित तो नहीं रह जाते!

कहा भी कहा गया है कि 'विचारों में भिन्नता जीवन की सुंदरता है। यदि सबकी सोच एक जैसी हो जाए, तो प्रगति ठहर जाएगी।' यह वाक्य मानवीय नैतिकता के मूल स्वभाव को दर्शाता है। बहुलता को स्वीकार करना सिखाता है। हर व्यक्ति इस दुनिया में अपने जीवन की अलग पृष्ठभूमि लेकर आता है। किसी का बचपन सुरक्षित और सहयोगपूर्ण बीता होता है, तो कोई कठिनाइयों से जूझ कर बड़ा हुआ होता है। किसी ने शिक्षा के माध्यम से दुनिया को गहराई से समझा होता है, तो किसी ने अनुभवों के माध्यम से। इन्हीं परिस्थितियों से किसी व्यक्ति का आचरण और नैतिकता का निर्माण होता है। जैसे एक व्यापारी अपने लाभ-हानि को केंद्र में रखकर कुछ सोचता है।

एक शिक्षक ज्ञान और मूल्यों के आधार पर विचार करता है। इसी तरह एक कलाकार और दार्शनिक की सोच में भी भिन्नता पाई जाती है। इन सभी का नजरिया अलग है, पर देखा जाए, तो इनमें से गलत कोई नहीं। सभी अपने व्यवसाय और पृष्ठभूमि से प्रभावित होकर ही सोचते हैं। इन अलग-अलग विचारों से ही विभिन्न समस्याओं का हल निकलता है, जो समाज को विभिन्न दर्शनों से परिचित करवाता है। इस संदर्भ में अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि एक ही समस्या को उसी सोच से हल नहीं किया जा सकता, जिससे वह पैदा हुई है। यानी नए विचार, नई दृष्टि और नई सोच प्रगति का पथ खोलती है। वह हमें नए रास्ते दिखाती है।

नैतिकता यह नहीं सिखाती कि सब एक जैसी सोच रखें, बल्कि यह कहती है कि अलग-अलग सोच में भी सामंजस्य खोजें, क्योंकि सबकी अलग सोच को स्वीकार करना ही मानवता है। यही लोकतंत्र, समाजशास्त्र और मानव-संबंधों का आधार है।

इस धरती पर हर बड़ी खोज, हर बड़ी बहस और हर बड़ा परिवर्तन तब हुआ, जब किसी ने दुनिया को अलग नजरिये से देखा। पेड़ से सेब को गिरते हुए कई लोगों ने देखा होगा लेकिन न्यूटन ने इसी गिरते हुए इसी सेब को देखकर गुरुत्वाकर्षण की खोज की। और गुरुत्वाकर्षण के नियम से दुनिया को अवगत कराया। बुद्ध ने दैनिक जीवन के दुख देखकर, उनसे द्रवित होकर उसके समाधान की खोज की।

वहीं रवींद्रनाथ ठाकुर ने संगीत में प्रकृति का दर्शन देखा। अगर सबकी सोच एक जैसी होती, तो न विज्ञान आगे बढ़ता, न साहित्य, न समाज, न मनुष्य की चेतना। यह अलग बात है कि हम अपनी सोच की इस भिन्नता को किस दिशा में मोड़ पाते हैं। किसी की प्रगति देखकर कोई ईर्ष्या से भर कर अपना ही नुकसान कर लेता है। जबकि इसके ठीक उलट कोई उससे प्रेरित हो अपनी जिंदगी को सही दिशा दे देता है।

अक्सर सोच के इस अंतर को संघर्ष और ईर्ष्या का कारण मान लिया जाता है। पर दरअसल यह अंतर ही कुछ नया सीखने का अवसर है। जैसे संगीत में हर सुर अलग है, पर सब मिलकर एक राग बनाते हैं। वैसे ही समाज में हर व्यक्ति की अपनी एक अलग सोच है। जो किसी समस्या का अलग-अलग निदान ढूंढ़ सकती है, लेकिन इस दुनिया को विचारों की सामूहिकता की जरूरत है। अब प्रश्न उठता है कि जब विचार ही अलग हों, तो उनकी सामूहिकता कैसे हो सकती है! वह भी विभिन्नताओं से भरी इस दुनिया में!

दरअसल, विचारों का आदान-प्रदान समाज को अधिक लोकतांत्रिक और संतुलित बनाता है। जिस तरह बुद्ध के विचारों को, जो कभी हम सबसे अलग और नवीन थे, आज हम सभी मानते हैं। दूसरों की सही सोच को समझना और अपनाना ही परिपक्वता होती है। इससे पूर्वाग्रह कम होते हैं। यह हमें नम्रता, धैर्य और स्वीकार्यता का पाठ पढ़ाता है। विविधता को अपनाना ही सभ्य समाज की पहचान है। जब हम लोगों के विचारों का आदर करते हैं, जब हम उनकी पृष्ठभूमि को समझते हैं और जब हम अपनी सोच दूसरों पर थोपने के बजाय साझा करते हैं, तभी हम वास्तव में मनुष्य कहलाते हैं।

अब एआई बोलेगा - क्या अपनी ही बोली भूल जाएगा इंसान? खतरे में दुनिया की 576 भाषाएं

वैज्ञानिक तकनीक के माध्यम से कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस का ऐसा उपकरण बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो जानवरों की भाषाओं को समझ सके। यदि ऐसा संभव हुआ, तो यह मानव इतिहास में एक नई क्रांति होगी, क्योंकि पशु-पक्षी प्रकृति के प्रति अत्यंत संवेदनशील होते हैं और कुछ तरंगों से इस तरह स्पंदित होते हैं कि आने वाली घटनाओं की अनुभूति उन्हें पहले ही हो जाती है। भारतीय वांग्मय में ऐसे कुछ पात्रों का उल्लेख है, जो पशु-पक्षी की बात सुनते थे। यदि एआइ इस गुण को जनसामान्य को उपलब्ध करा पाता है, तो यह तकनीक निश्चित रूप से जीवन को एक नए सांचे में ढालने में मदद करेगी।

मगर जो मनुष्य समाज पशु-पक्षियों की भाषाओं को समझने का प्रयास कर रहा है, वही अपनी पारंपरिक भाषाओं को लेकर असंवेदनशील होता जा रहा है। इसका अनुमान संयुक्त राष्ट्र संघ की एजंसी 'यूनेस्को' के उस मानचित्र से लगाया जा सकता है, जो उसने दुनिया की संकटग्रस्त भाषाओं के बारे में जारी किया है। 'एटलस आफ द वर्ल्ड्स लैंग्वेज इन डेंजर' के अनुसार, इस समय दुनिया की 576 भाषाओं पर गंभीर संकट मंडरा रहा है, यानी वे लुप्त होती प्रतीत हो रही हैं। इसके अलावा, हजारों अन्य भाषाएं भी दम तोड़ती नजर आ रही हैं।

भाषाएं केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि वे किसी समाज विशेष की हजारों साल की परंपराओं और उसके अनुभवों की वाहक भी होती हैं। इस बात का अनुमान राजस्थानी भाषा के विभिन्न रूपों से लगाया जा सकता है। पश्चिमी राजस्थान का बड़ा भू-भाग मरुस्थल है। इस क्षेत्र में बरसात का अपना महत्त्व होता है। राजस्थानी भाषा में विक्रमी कैलेंडर के हर महीने में होने वाली बारिश के लिए एक अलग नाम है। चैत्र माह में होने वाली बारिश को चड़पड़ाट, बैसाख की बारिश को हलोतियो और जेठ माह की बारिश को झपटो कहा जाता है।

इसी तरह से अन्य माह में होने वाली बारिश के लिए अलग-अलग संबोधन हैं। उन्हें क्रमशः सरवांत (आषाढ़), लेर (सावन), झड़ी (भाद्रपद), मोती (आश्विन), कटक (कार्तिक), फांसरड़ो (मार्गशीर्ष), पावठ (पोष), मावठ (माघ) और फटकार (फागुन की बारिश) कहा जाता है। ठीक इसी तरह राजस्थानी भाषा में ऊंट के 270 से अधिक पर्यायवाची शब्द हैं। ऐसे में राजस्थानी संस्कृति को समझने के लिए उसकी भाषा को समझना और सहेजना आवश्यक है।

भाषाएं समाज की सांस्कृतिक पहचान भी होती हैं। ब्रिटिश शासनकाल में भारत में लार्ड मैकाले की ओर से सुझाई गई अंग्रेजी आधारित शिक्षा पद्धति लागू करने का एक उद्देश्य यह भर था कि भारतीयों को उनके सांस्कृतिक गौरव से वंचित किया जाए। अंग्रेज अधिकारियों के परस्पर पत्र व्यवहार से इस बात का खुलासा आजादी के बाद हुआ। किसी समाज की अभिव्यक्ति को कमजोर करने के लिए औपनिवेशिक ताकतें इस तरह के हथकंडे अपनाया करती थीं।

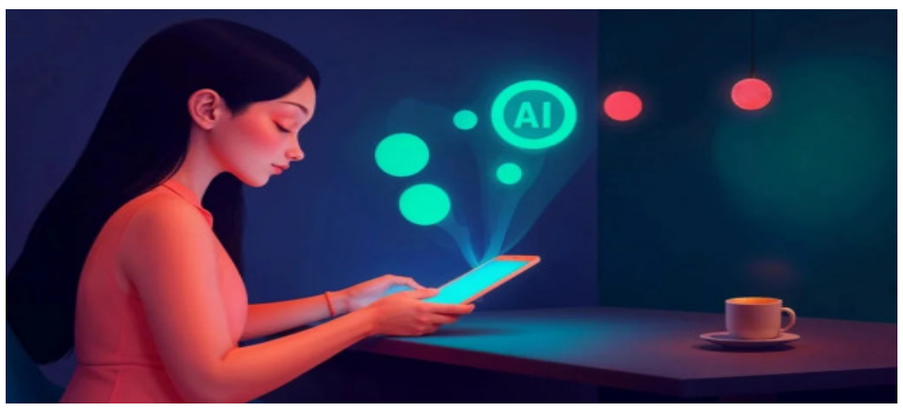

पिछली सदी में औसतन हर तीन महीने में एक देशज भाषा लुप्त हुई है। भाषाविदों का मानना है कि इसी तरह की स्थितियां रहीं, तो दुनिया में इस समय काम में आने वाली भाषाओं में से आधी इस सदी के अंत तक यानी अगले पचहत्तर वर्षों में लुप्त हो जाएंगी। यह आशंका इसलिए भी डराती है, क्योंकि वर्ष 1950 से 2010 के बीच दुनिया की 230 भाषाएं लुप्त हो चुकी हैं और यूनेस्को के अनुसार, हर चौदह दिन में एक भाषा समाप्त हो रही है। कुछ भाषाएं तो मानव समाज की लापरवाही के कारण मृत अवस्था में पहुंच गई हैं।

अंडमान द्वीप समूह में एक भाषा बोली जाती थी-'बो'। उसे बोलने वाले धीरे-धीरे कम होते चले गए। अंत में बोआ नाम की एक 85 वर्षीय महिला बची जो इस भाषा को बोल एवं समझ सकती थीं। संस्थागत स्तर पर उनसे संवाद करके इस भाषा के संग्रहण का काम होता, तो कदाचित इसे अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सकता था, मगर ऐसा नहीं हुआ। 26 जनवरी 2010 को बोआ का निधन हुआ और उनके साथ ही 'बो' ने भी दम तोड़ दिया।

ऐसा ही 'खोरा' भाषा के साथ भी हुआ। प्री कोलंबियाई मैक्सिकन भाषा 'अयापानेको' के संदर्भ में तो और भी रोचक बात हुई। इस भाषा को बोलने एवं समझने वाले दो ही व्यक्ति बचे थे। भाषाविदों ने इन दोनों के परस्पर संवाद से इस भाषा को सहेजने का प्रयास किया, लेकिन इनके बीच आपसी विवाद पैदा हो गए। इसलिए दोनों ने वर्षों तक एक-दूसरे से संवाद ही नहीं किया। इन वैयक्तिक पूर्वाग्रहों ने इस भाषा को संकट में धकेल दिया।

रोजगार के सिलसिले में अपने पैतृक स्थान को छोड़कर दूसरी जगह जाने की प्रवृत्ति या विवशता ने भी लोगों को अपनी भाषाओं से दूर किया है। पराये शहर में वे अपने अस्तित्व और आर्थिक उन्नयन के लिए जूझते या भाषा के प्रति अपनी संवेदना को बचाते?

शिकागो विश्वविद्यालय में भाषाविद रहे सालिकोको मुफवेने की मातृभाषा कियानसी थी। यह भाषा कांगो गणराज्य में एक छोटे जातीय समूह द्वारा बोली जाती है। अपने पैतृक स्थान से दूर रहने वाले सालिकोको का कहना है कि उन्हें चार दशक के अपने प्रवास में कियानसी बोलने वाले दो ही लोग मिले। ऐसे में अपनी मातृभाषा बोलने का उनका अभ्यास जाता रहा।

अक्सर संयुक्त परिवार में रहने वाले बच्चे अपने दादा-दादी या अन्य बुजुर्गों से मातृभाषा में संवाद करते हैं, लेकिन एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने अधिकांश बच्चों को अपनी पारंपरिक भाषाओं से दूर कर दिया। करियर की होड़ तो उन्हें कुछ खास भाषाओं की ओर उन्मुख करती है। भारत में सरकार ने प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में देने की नीति बनाई है। यह समय बताएगा कि यह नीति समाज की भाषाई विविधता को बचाए रखने में कितनी भूमिका अदा करती है।

वहीं, भाषाओं के प्रति कुछ ताकतवर लोगों के अपने दुराग्रह भी हैं। कुछ समय पहले चीन में एक भाषाविद को इसलिए गिरफ्तार कर लिया गया, क्योंकि वे अपनी मातृभाषा उइगर को बचाने के लिए एक स्कूल खोलने की योजना बना रहे थे। ऐसे दुराग्रह दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न रूपों में सामने आते हैं।

कहीं कोई भाषा बोल पाने में अक्षम ऐसे लोगों को सताया जाता है, जो उस भाषाभाषी समूह का सदस्य ही नहीं होते, तो कहीं किसी भाषा विशेष के संरक्षण के नाम पर दूसरी भाषा का विरोध किया जाता है। जबकि जो भाषाएं संकट में हैं, उन्हें बचाए जाने के सार्थक प्रयास किए जाने चाहिए।

ईमानदार और जिम्मेदार कोशिशें हों, तो संकट में पड़ी हुई भाषाओं को बचाया जा सकता है। भूमिज भाषा का उदाहरण लिया जा सकता है। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओड़ीशा के कुछ हिस्सों में बोली जाने वाली यह देशज भाषा यूनेस्को द्वारा अतिसंकट में घोषित भारत की 197 भाषाओं में एक थी। वर्ष 2018 में इस समाज के कुछ जागरूक युवाओं ने अपनी भाषा को बचाने के लिए स्कूल खोले और आनलाइन पाठ्यक्रम भी शुरू किए। उनकी पहल रंग लाई, पचास हजार से अधिक युवाओं ने इस पहल के बाद भूमिज भाषा को सीखा है।

दरअसल, भाषाएं संकट में आती ही इसलिए हैं, क्योंकि नई पीढ़ी उनके उपयोग के प्रति उदासीन हो जाती है। संपूर्ण समाज को भाषाओं के प्रति संवेदनशील होना होगा, क्योंकि भाषाएं मानवीय अनुभूतियों की अभिव्यक्ति का आभूषण हैं।

पुलिस लाइन में वामा वेलनेस कैंप
50 पुलिसकर्मियों व परिजनों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में रिज़र्व पुलिस लाइन ज्ञानपुर में वामा सारथी के तहत वामा वेलनेस कैंप आयोजित किया गया, जिसमें कुल 50 पुलिसकर्मियों व उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयुष विभाग एवं होम्योपैथिक विभाग की सहभागिता से लगाए गए इस शिविर में हृदय, दंत, नेत्र, त्वचा, बीपी, शुगर सहित कई रोगों की जांच की गई। पुलिस परिवार की 40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को निःशुल्क स्त्री रोग परामर्श तथा पैप स्मीयर व मैमोग्राम टेस्ट हेतु विशेष कूपन कार्ड (वैधता 31 मार्च 2026) वितरित किए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह पहल पुलिस परिवार के स्वास्थ्य, जागरूकता व मनोबल वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है और इससे उनके समग्र कल्याण में सीधा लाभ मिलेगा।

पर्यावरण संरक्षण व स्वास्थ्य जागरूकता साइकिल यात्रा

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से भदोही साइकिलिंग क्लब द्वारा रविवार को विशाल साइकिल यात्रा निकाली गई। क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल अंसारी के नेतृत्व में निकली इस यात्रा ने पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य, योग, पर्यावरण सुरक्षा और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश दिया।अताउल अंसारी के आह्वान पर बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पर्यावरण प्रेमियों ने यात्रा में हिस्सा लिया।

गोपीगंज राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से शुरू हुई साइकिल यात्रा को अताउल अंसारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और कहा कि महीने में एक वृक्ष लगाए, हफ्ते में छः दिन परिवार के लिए और एक दिन देश और समाज के लिए निकालकर लोगों को जागरूक करें और प्रतिदिन आधे घंटे का योग व्यायाम करें। इससे सभी स्वस्थ रहेंगे पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा और देश भी तरक्की करेगा।

साइकिल यात्रा शुरू होकर फूलबाग, सोनखरी, मेवड़ापुर, टीकापुर, कांजी हाउस, जौहरपुर, ननवगपुर, नवलपुर, नत्थूपुर, जखाँव, लालापुर के आसपास का भ्रमण करते हुए मेवड़ापुर में समाजसेवी अब्दुल गफ्फार अंसारी के आवास पर इसका समापन हुआ।

पूरी यात्रा के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल अंसारी ने जगह-जगह रुककर लोगों को वृक्षारोपण, योग, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण संवर्धन पर जागरूक किया।

यात्रा के दौरान अताउल अंसारी की टीम द्वारा 'वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ, करो योग रहो निरोग, सुबह की हवा सौ रोगों की दवा, हम सबने ये ठाना है - पूरे उत्तर प्रदेश को स्वस्थ बनाना है, भारत माता की जय, वंदे मातरम्' जैसे जागरूकता नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

साइकिल यात्रा में राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल अंसारी के साथ जगदीश यादव, बनारसी बिंद, सरफराज अहमद, श्याम सुंदर बिंद, प्रमोद मौर्या, पंकज सिंह, कमलेश कश्यप, राजीव जायसवाल, महमूद आलम, सुंदरम चौधरी, अबरार हाशमी, जिगर गुप्ता, आशीष बिंद, रितिक कनौजिया, आफताब आलम, हिमांशु चौधरी, फैज आलम, आनंद बिंद, अजहान खान, अभी कनौजिया, समीर शेख, उज्जवल गुप्ता, मैनुद्दीन अली, इमरान अहमद, गोपाल चौधरी, आर्यन यादव, हिमांशु बिंद सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जिलाधिकारी ने मूल्यांकन सूची की दरों को पुनः प्रभावी किया
संशोधित प्रस्तावों को सूची में शामिल

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देश पर जनपद भदोही की संपत्तियों की मूल्यांकन सूची का पुनरीक्षण करते हुए पूर्व निर्धारित दरों–दिनांक 08.11.2024 एवं 09.11.2024–को 08 दिसंबर 2025 से पुनः प्रभावी कर दिया गया है, जिसमें उप निबंधक ज्ञानपुर, भदोही व औराई द्वारा भेजे गए संशोधनों को ही अद्यतन सूची में जोड़ा गया है। उत्तर प्रदेश स्टाम्प (संपत्ति का मूल्यांकन) नियमावली, 1997 एवं उसके संशोधनों के तहत किए गए इस पुनरीक्षण के अनुसार 0.200 हेक्टेयर से अधिक नगरीय/अर्धनगरीय तथा आबादी से सटी कृषि भूमि का मूल्यांकन सड़क की चौड़ाई के आधार पर क्रमशः 20, 30 व 40 प्रतिशत बढ़ेगा, जबकि आबादी/आवासीय गतिविधियों की निकटता के आधार पर कृषि भूमि का मूल्यांकन 50, 30 व 20 प्रतिशत वृद्धि के साथ तय होगा। औद्योगिक घोषित भूमि का मूल्यांकन सामान्य अकृषक भूमि दर से 50 प्रतिशत कम पर निर्धारित किया गया है। साथ ही मूल्यांकन सूची के भाग-2 प्रारूप 4(2) में दर्ज 'आबादी से सटी (मार्ग विहीन)' को संशोधित कर 'आबादी से सटी भूमि' कर दिया गया है।

फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर साजिश के तहत नाबालिक पुत्री को पीड़िता बनाने के मामले में निर्दोष व्यक्ति को जेल भेजवाने वाली अभियुक्ता गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आवेदिका द्वारा थाना भदोही पर फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर साजिश के तहत अपने नाबालिक पुत्री को पीड़िता बनाकर निर्दोष व्यक्ति लक्ष्मीशंकर उपाध्याय निवासी गनेशरायपुर पोस्ट पाली थाना सुरियावां जनपद भदोही के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 349/2021 धारा 354 क, 7/8 पॉक्सो एक्ट एवं 3(1) द, 3(1) ध एससी/एसटी एक्ट का अभियोग पंजीकृत कराकर जेल भिजवाया गया था। स्थानीय पुलिस के जांच के क्रम में उपरोक्त मुकदमे में आवेदिका एवं आवेदिका के सहयोगियों के विरुद्ध मु0अ0सं0-64/25 धारा-195/198/389/418/420/467/469/471/474/120बी का अभियोग पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित की गई।

जनपद में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के दृष्टिगत श्री अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के कुशल निर्देशन व श्री शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही कुशल पर्यवेक्षण में जनपदीय पुलिस द्वारा अभियुक्तों के विरुद्ध लगातार प्रभावी पुलिस कार्यवाही के क्रम में उपरोक्त घटना के संबंध में थाना भदोही पुलिस टीम की जांच के क्रम में थाना भदोही पर फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर साजिश के तहत अपने नाबालिक पुत्री को पीड़िता बनाकर अभियोग पंजीकृत कराकर निर्दोष व्यक्ति को जेल भेजवाने वाली मु0अ0सं0-64/25 धारा-195/198/389/418/420/467/469/471/474/120बी से संबंधित अभियुक्ता पूजा पत्नी अरविन्द कुमार निवासी बिझवनिया थाना उतरांव जनपद प्रयागराज उम्र 40 वर्ष को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

सांसद ने मतदाताओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सांसद डॉ. विनोद बिंद ने ग्रामसभा कोइलरा, चंद्रपुरा में मतदाताओं से संवाद किया। उन्होंने बीएलओ, बूथ अध्यक्ष और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लोगों को मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के बारे में जागरूक किया। सांसद ने मतदाताओं से अपील की कि वे आवश्यक फॉर्म विधिवत भरें और सभी दस्तावेज निर्धारित तिथि तक समय से जमा करें। उन्होंने आगामी चुनावों में अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदाताओं को चुनाव सूची में अपना नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी दी। सांसद ने लोगों से मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की।बचे हुए मतदाताओं का नाम जुड़वाने के लिए गांव के लोगों से सहयोग की अपील की। इस दौरान मंडल अध्यक्ष सुनील बिंद, सांसद प्रतिनिधि संजय बिंद, शिवम तिवारी, ज्योति कुमारी, पवन पटेल, देवेश बरनवाल, जितेंद्र, सुरेन्द्र, श्याम बहादुर, विश्वनाथ आदि उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण हेतु पुलिस द्वारा चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से

अभिमन्यु मांगलिकपुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के निर्देशन में एवं शुभम अग्रवालअपर पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के पर्यवेक्षण में जनपद भदोही के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम व एण्टी रोमियो टीमों द्वारा व्यापक रूप से जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिस कर्मियों व मिशन शक्ति टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्थित प्रमुख बाजारों, कस्बों, स्कूलों/कॉलेजों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य भीड़-भाड़ वाले महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर पहुँचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके सुरक्षा अधिकारों, सशक्तिकरण योजनाओं एवं सहायता संसाधनों के प्रति जागरूक किया गया।

जनपद पुलिस द्वारा यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, जिससे समाज में महिला सुरक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त किया जा सके।

पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोपी को किया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशांत कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में दुर्गा प्रसाद प्रभारी निरीक्षक सिद्धार्थनगर मय टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 238/25 धारा 76, 109(1), 115(2), 333, 351(3), 352 ँच थाना सिद्धार्थनगर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सुनील कुमार पुत्र लक्ष्मन साकिन भीमापार थ को ग्राम भीमापार से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण कर

उप निरीक्षक विजय कुमार व हेड कांस्टेबल प्रमोद ओझा ने न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु रवाना किया गया है।

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने दिखाई संवेदनशीलता, विद्युत बिल राहत योजना में बढ़ाया बड़ा लाभ
सरकार का उद्देश्य अधिकतम लोगों को राहत देना : श्री ए के शर्मा
31 मार्च 2025 के बाद भुगतान करने वाले बकायेदार भी होंगे लाभान्वित

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने विद्युत बिल राहत योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को एक और बड़ी राहत प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पहले 31 मार्च 2025 के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। विभिन्न जनपदों के दौरे और विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने मंत्री श्री शर्मा से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, किंतु फिर भी उनका काफी बकाया शेष है, इसलिए उन्हें भी योजना का लाभ दिया जाए।

उपभोक्ताओं की इस पीड़ा और वास्तविक स्थिति को समझते हुए ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने अत्यंत संवेदनशीलता के साथ अधिकारियों को तुरंत निर्देश दिए कि ऐसे सभी उपभोक्ताओं को योजना के लाभ से वंचित न किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार का उद्देश्य अधिकतम लोगों को राहत देना है, इसलिए भुगतान कर चुके किन्तु अब भी बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिलना चाहिए।ऊर्जा मंत्री के निर्देशों के क्रम में अब 30 नवंबर 2025 तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक बोझ में बड़ी कमी आएगी।जनहित में लिए गए इस महत्वपूर्ण फैसले से प्रदेशभर के उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने वास्तव में जनता की परेशानी को समझा और राहत प्रदान करने का सार्थक प्रयास किया है। सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम उपभोक्ता हित और संवेदनशील प्रशासन की स्पष्ट मिसाल है।

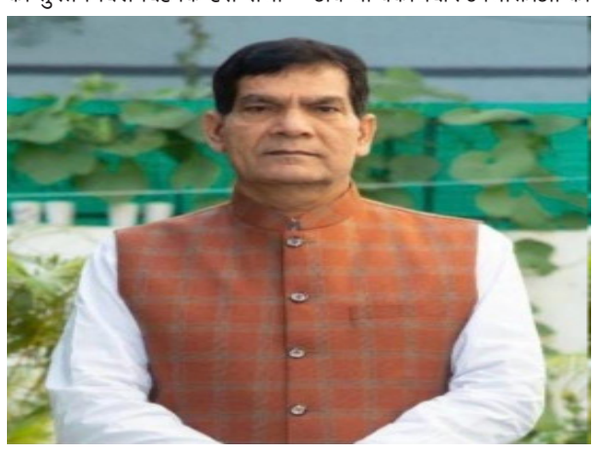

आईआईसीटी एलुमनाई मीट वापी चैप्टर में पूर्व छात्रों का मिलन

भदोही। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कार्पेट टेक्नोलॉजी के पूर्व छात्र शनिवार को अतुल लिमिटेड में आयोजित एलुमनाई मीट में एकत्र हुए। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के निदेशक डॉ. आर.के. वार्ष्णेय के मार्गदर्शन में किया गया।

मीट में पूर्व छात्रों ने न केवल पुरानी यादों को ताज़ा किया, बल्कि अपने व्यावसायिक अनुभवों और उपलब्धियों को भी साझा किया। संबोधन में डॉ. वार्ष्णेय ने आईआइसीटी में हो रहे हालिया विकासों की जानकारी दी और एलुमनाई नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए नियमित रूप से ऐसे आयोजन किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में 2008 से 2025 बैच के लगभग 50 पूर्व छात्र शामिल हुए। इस दौरान प्रदीप शुक्ला (2008), मुनेंद्र सिंह (2009), अनूप चौरसिया (2010), विशाल मिश्रा (2013), अभिषेक श्रीवास्तव और दीपक ने अपने सुझाव और अनुभव प्रस्तुत किए। पाँच पूर्व छात्र अपने परिवारों के साथ पहुँचे, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी आत्मीय हो गया।

डॉ. वार्ष्णेय ने वेल्सपन लिविंग लिमिटेड और अतुल लिमिटेड का दौरा कर उद्योग शिक्षा सहयोग को मजबूत करने और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। एलुमनाई मीट के आयोजन में अभिषेक, निकेत और सुमित की अहम भूमिका रही। पूरे कार्यक्रम का समन्वय श्री बी.सी. रे के मार्गदर्शन में किया गया।

पति, सास, ससुर सहित पांच के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के जहागीराबाद मे विवाहिता की हुई मौत के मामले में मायके वालों की तहरीर पर सास ससुर पति, ननद व देवर सहित पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गांव निवासी दिलीप निषाद की पत्नी पूजा निषाद ने शुक्रवार की रात फांसी लगाकर जान दे दी थी। सूचना पर पहुची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।विवाहिता के पिता धर्मेंद्र निषाद निवासी घोरहट करछना प्रयागराज ने थाने में तहरीर देकर अवगत कराया कि अपनी पुत्री का विवाह तीन वर्ष पूर्व दिलीप निषाद के साथ किया था, यथा संभव दान दहेज भी दिया था, ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए अवगत कराया कि शादी के बाद से ही उसका उत्पीड़न करते थे। मारपीट से परेशान होकर उसने फांसी लगाकर जान दे दी।पिता की तहरीर पर पुलिस ससुर बसीदंर, पति दिलीप, सास, ननद व देवर के खिलाफ संबंधित धारा में मुकदमा कायम कर लिया।

महिला अपराध व उससे बचाव के हेल्पलाइन नम्बरो के बारे मे पुलिस ने दी जानकारी

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अमित कुमार थाना पथरा बाजार के नेतृत्व मे मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय विशुनपुरवा में जाकर छात्र/छात्राओं को जागरूक किया गया व खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी । मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 08 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में हेड कांस्टेबल प्रवीण यादव , कास्टेबल संजय गौतम , महिला कांस्टेबल ममता मिश्रा ने जानकारी दी।

20 दिसंबर को भव्य हिंदू महासभा सम्मेलन का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। संगम क्षेत्र सुंदरवन कटेबना में श्री द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन के रूप में विश्व का सबसे ऊंचा तांबे का शिव मंदिर आकार ले रहा है। लगभग 180 फीट ऊंचे शिवलिंगाकार ताम्र-धातु मंदिर के निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली है। गर्भगृह हेतु मिट्टी की खुदाई व प्रारंभिक संरचनात्मक कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसी कड़ी में रविवार को मंदिर प्रांगण में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में माँ राजलक्ष्मी मंदा ने बताया कि 20 दिसंबर को भव्य हिंदू महासभा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें जिले सहित देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन हिंदुत्व की एकता और सांस्कृतिक शक्ति को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा आयोजन होगा।

माँ राजलक्ष्मी मंदा ने कहा कि 'सम्मेलन में जिले के सम्मानित जन, विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि और बाहर से आने वाले विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। अतिथियों की सूची तैयार की जा रही है।

बैठक में सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्य विभाजन किया गया। सुरक्षा, स्वागत-प्रबंध, मंच संचालन, आवास-व्यवस्था और मीडिया समन्वय से जुड़े दायित्व अलग-अलग टीमों को सौंपे गए। मंदिर परिसर में कार्यक्रम को भव्य स्वरूप देने के लिए रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा हुई।

सुंदरवन कटेबना में बन रहा 180 फीट ऊंचा शिवलिंगाकार ताम्र-मंदिर न केवल भदोही, बल्कि पूरे देश का धार्मिक गौरव बनेगा। तांबे की विशाल संरचना और अद्वितीय डिजाइन इसे विश्व में विशेष पहचान देगी। निर्माण कार्य तेजी से जारी है। बैठक में गुरुजी मदन कुमार, सतीश सुप्रिया उपाध्याय, अजय पांडेय, अनिल मिश्रा, मनीष पांडेय, दीपक सिंह, आशुतोष पांडेय, श्री प्रकाश दुबे, सुशील राय, राजेश सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में भदोही के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

भदोही। यूनियन शोतोकान कराटे एसोसिएशन इंडिया की ओर से वाराणसी में आयोजित दो दिवसीय ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप के प्रथम दिवस में भदोही के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और कई मेडल अपने नाम किए।

मदर प्राइड एकेडमी के इब्राहिम साद ने स्वर्ण पदक हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। इसी प्रकार वरदान इंटरनेशनल स्कूल के टेनी तोष तथा प्रॉपर्टी स्कूल की अलजेहरा फातिमा ने भी अपने-अपने वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। डोनीव पब्लिक स्कूल, गोपीगंज के सावन कुमार ने स्वर्ण पदक जबकि आरिज संसारी ने रजत पदक प्राप्त किया।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कोच सीयल यादव एवं श्याम सुंदर यादव ने सभी बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एसआईआर का काम करते-करते बीएलओ की 'ब्रेन हेमरेज' से मौत, प्रदेश में भड़का शिक्षकों का गुस्सा

परिवार बोला- 'काम के दबाव ने ले ली जान'

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गाजियाबाद में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के रूप में तैनात एक जीव विज्ञान शिक्षक की मोदीनगर के नेहरू नगर स्थित उनके आवास पर कथित तौर पर ब्रेन हेमरेज से मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मोदी विज्ञान एवं वाणिज्य इंटर कॉलेज के लाल मोहन सिंह (58) नामक शिक्षक को साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर की ड्यूटी सौंपी गई थी।

कॉलेज के प्रधानाचार्य सतीश चंद अग्रवाल ने संवाददाताओं को बताया कि सिंह अस्वस्थ थे और घर-घर जाकर सत्यापन कार्य के कारण 'काफी दबाव' में थे। उन्होंने कहा, 'प्रशासन ने चेतावनी दी थी कि यह काम किसी भी कीमत पर पूरा किया जाना चाहिए। वह तनाव में काम कर रहे थे।' मोदीनगर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अमित सक्सेना ने कहा, 'एसडीएम मोदीनगर ने मुझे सूचित किया कि लाल मोहन सिंह की शुक्रवार रात ब्रेन हेमरेज से मृत्यु हो गई। एसडीएम घटना के बाद के प्रशासनिक पहलुओं की जांच कर रहे हैं।'

मुद्दों के अभाव में एसआई आर को लेकर भ्रम फैला रहा विपक्ष - ओपी राजभर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर रविवार को बलहा विधानसभा के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर करारा हमला बोला। राजभर ने कहा कि आगामी चुनाव को देखते हुए विपक्ष लगातार यह आरोप लगा रहा है कि सरकार सामाजिक संकेतक रिकॉर्ड (एसआई आर) के माध्यम से वोटरों को प्रभावित कर रही है, लेकिन विपक्ष खुद इस प्रक्रिया में पीछे रह गया है।

राजभर ने मंच से चुनौती देते हुए कहा कि 'विपक्ष सड़क पर रो रहा है, जबकि एसआई आर फॉर्म भरवाने की मेहनत करनी चाहिए। जनता को योजनाओं का लाभ देने के लिए यह प्रक्रिया जरूरी है। जिस किसी का फार्म न भरा हो, या फार्म भरने में कोई दिक्कत हो, तो वह सीधे हमसे मिले। हम हर जरूरतमंद की मदद करेंगे।' उन्होंने कहा कि विपक्ष एसआई आर को लेकर शोर मचा रहा है, जबकि उनके अपने कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में फार्म भरवा रहे हैं।

सभा के दौरान पत्रकारों द्वारा पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने के दावे पर सवाल पूछा गया। इस पर ओम प्रकाश राजभर ने साफ कहा कि 'बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव नहीं रखी जा रही है। वहां सिर्फ सियासत की जा रही है। विपक्ष और कुछ राजनीतिक दल इस मुद्दे को हवा देकर अपनी जमीन तलाशने की कोशिश कर रहे हैं।

राजभर ने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों सरकारें विकास के मुद्दों पर काम कर रही हैं और विपक्ष मुद्दों के अभाव में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने जनता से सरकार की योजनाओं का लाभ लेने और फर्जी अफवाहों से दूर रहने की अपील की। राजभर का यह दौरा आगामी चुनावों से पहले राजनीतिक तापमान बढ़ाने वाला माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने सीधे तौर पर विपक्ष को चुनौती दी और एसआई आर प्रक्रिया को जनता के हित में बताया।

पकड़ा गया वायरल एमएमएस वाला लड़का! लोगों ने डंडे से मार-मार कर किया बुरा हाल

लखनऊ **(एजेंसी)**। सोशल मीडिया पर पिछले कई दिनों से 19 मिनट 34 सेकंड के एमएमएस वीडियो को लेकर बवाल मचा हुआ है। इस अश्लील वीडियो को दुनिया भर में तेजी से वायरल बताया जा रहा है, और लोग इस पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। इसी बीच एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे कुछ लोग सीधे इस एमएमएस से जोड़ रहे हैं।

वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि एक व्यक्ति किसी लड़के को डंडों से बुरी तरह पीट रहा है, और पीछे कई पुलिस जवान खड़े हैं। सोशल मीडिया पर लोग दावा कर रहे थे कि यह वही लड़का है जो 19 मिनट 34 सेकंड के एमएमएस में दिखा था। हालांकि, इस दावे की पुष्टि नहीं हुई। जांच में सामने आया कि यह वीडियो करीब आठ महीने पुराना है और एमएमएस से इसका कोई लेना-देना नहीं है।

गुजरात पुलिस ने बताया कि यह वीडियो अहमदाबाद के वट्राल इलाके का है और यह 13 मार्च का है। उस दिन कुछ बदमाशों ने लाठी और तलवार से हमला किया था, जिसमें वीडियो में दिख रहा नाबालिग भी शामिल था। पुलिस ने उस समय कुल 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वायरल वीडियो का एमएमएस या अश्लील सामग्री से कोई संबंध नहीं है।

गोवा हादसे पर सीएम योगी ने जताया दुख नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत

लखनऊ **(एजेंसी)**। उत्तरी गोवा के एक नाइट क्लब में बीती रात भीषण आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे पर सीएम योगी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गोवा के अरपोरा में एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

आप को बता दें कि उत्तरी गोवा के एक नाइट क्लब में भीषण आग लगने से घटना में 23 लोगों की मौत हुई है। जबकि हादसे में घायल दो ने रास्ते में दम दोड़ दिया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि उत्तरी गोवा के अरपोरा में स्थित 'बिर्च बाय रोमियो लेन' नामक नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि मृतकों में चार पर्यटक और 14 नाइट क्लब के कर्मचारी हैं जबकि सात अन्य की पहचान की जा रही है।

अधिकारी ने कहा कि घायल हुए छह लोगों का फिलहाल पणजी के निकट बम्बोलिम में स्थित गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आग लगने का कारण पता लगाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, 'पुलिस और दमकल विभाग जांच कर रहे हैं और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नाइट क्लब ने अग्नि सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं किया था। सावंत ने कहा, 'हम क्लब प्रबंधन और उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे जिन्होंने सुरक्षा मानदंडों की अवहेलना की।' सावंत ने कहा, "तटीय राज्य में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना ऐसे समय में हुई है जब बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा, "हम घटना की गहन जांच करेंगे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अगर टीएमसी ने बाबर के नाम पर एक भी ईंट रखी गई तो भाजपा उसे उखाड़ फेंकेगीः डिप्टी सीएम

लखनऊ **(एजेंसी)**। तृणमूल कांग्रेस से निकाले गए विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' के नाम पर एक मस्जिद की नींव रखी है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बड़ा बयान दिया है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह सब टीएमसी की नौटंकी है वहां भाजपा की सरकार आने पर बाबर के नाम पर एक भी ईंट रखी गई तो उखाड़ फेंकने का काम करेंगे।

आप को बता दें कि सस्पेंड टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद ज़िले में बेलडांगा से सटे इलाके में सैकड़ों समर्थकों के साथ प्रतीकात्मक तौर पर फीता काटकर मस्जिद की नींव रखी है। हुमायूं कबीर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद ज़िले के भरतपुर सीट से विधायक हैं। वह पिछले कई दिनों से दावा करते रहे हैं कि 6 दिसंबर को वो भरतपुर के बेलडांगा में 'बाबरी मस्जिद' बनवाने के लिए नींव रखेंगे।

पार्टी से निष्कासित होने के बाद हुमायूं कबीर ने कहा था कि वह मस्जिद ज़रूर बनवाएंगे। उन्होंने 22 दिसंबर को एक नई पार्टी बनाने की घोषणा भी की है। 4 दिसंबर को तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूं कबीर को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। पार्टी का कहना था कि वह 'सांप्रदायिक राजनीति' कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब हुमायूं कबीर के खिलाफ़ इस तरह की कार्रवाई हुई है. वह पार्टी लाइन के खिलाफ पहले भी बोल चुके हैं। फिलहाल बाबरी मस्जिद बनाने के दावे को लेकर बीजेपी ऊश्ण पर हमला वार है।

जेल में आजम खां की बिगड़ी तबीयत

जेल प्रशासन बोला- कैदी की सुरक्षा और स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता

रामपुर **(एजेंसी)**। जिला जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आज़म खां की तबीयत बिगड़ने की खबर सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, देर शाम उनकी अचानक तबीयत खराब होने की जानकारी कारागार प्रशासन को मिली। इसके बाद जेल प्रशासन ने तत्काल जिला अस्पताल को पत्र भेजकर मेडिकल टीम उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

पत्र प्राप्त होने पर जिला अस्पताल के सीएमएस ने तीन डॉक्टरों की टीम जेल भेजी। बताया गया कि टीम में एक फिजिशियन, एक इमरजेंसी विशेषज्ञ और एक जनरल चिकित्सक शामिल थे। टीम निर्धारित समय पर जेल पहुंची और आज़म खां की स्वास्थ्य स्थिति की जांच करना चाहती थी, लेकिन सूत्रों के मुताबिक, आज़म खां ने डॉक्टरों से इलाज कराने से इनकार कर दिया। उनके इनकार के बाद मेडिकल टीम बिना जांच किए ही जेल से लौट आई।

जेल प्रशासन का कहना है कि आज़म खां की तबीयत को लेकर उन्हें गंभीरता से लेना आवश्यक था, इसलिए चिकित्सकों को बुलाया गया था। वहीं सीएमएस ने भी पुष्टि की कि डॉक्टरों की टीम जेल तो पहुंची, लेकिन आज़म खां ने जांच कराने की अनुमति नहीं दी, जिसके बाद टीम लौट आई।

सूत्रों के अनुसार, आज़म खां बीते कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन वे कई बार मेडिकल जांच से इनकार कर चुके हैं। जेल प्रशासन का कहना है कि कैदी की सुरक्षा और स्वास्थ्य उनकी प्राथमिकता है और यदि स्थिति बिगड़ती है तो अगली कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जेल प्रशासन मामले पर नजर बनाए हुए है। डॉक्टरों की टीम ने भी संभावित जरूरत के लिए खुद को तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। इस घटना के बाद जेल सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रबंधन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

बीजेपी ने राहुल को बताया भस्मासुर, कहा- महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे को बर्बाद कर दिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरोप लगाया कि पाकिस्तान और चीन को भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देना तथा जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देना जैसी ऐतिहासिक भूल जवाहरलाल नेहरू की विरासत है। भाजपा ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर भी उनके इस आरोप के लिए निशाना साधा कि मौजूदा सरकार का मुख्य उद्देश्य नेहरू को बदनाम करना है।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष के आरोपों को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पलटवार करते हुए कहा कि सोनिया गांधी ने अपने आरोप में जिस शब्द का प्रयोग किया, वह उनके बेटे राहुल गांधी का "समानार्थी" है। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया था कि सत्तारूढ़ भाजपा का लक्ष्य न केवल देश के पहले प्रधानमंत्री की विरासत को "मिटाना" है, बल्कि उनकी सामाजिक और राजनीतिक बुनियादों को "नष्ट" करना है।

भाटिया ने आरोप लगाया, "अगर आज भारतीय राजनीति में कोई 'भस्मासुर' है, तो वह राहुल गांधी हैं। उन्होंने महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे की पार्टियों को बर्बाद कर दिया, और फिर लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की पार्टी के साथ गठबंधन करके उन्हें बर्बाद किया।"

उन्होंने कहा, "हाल में बिहार (चुनाव) में तेजस्वी यादव को नष्ट करने के बाद, वह अब उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव को नष्ट करने के लिए जा रहे हैं।" सोनिया गांधी ने शुक्रवार को दावा किया था कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करने के 'प्रोजेक्ट' को आगे बढ़ाया जा रहा है तथा वर्तमान सरकार का मुख्य उद्देश्य भी यही है। उन्होंने यहां 'जवाहर भवन' में आयोजित एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि इस 'प्रोजेक्ट' का सामूहिक रूप से मुकाबला करना होगा। गांधी ने आधुनिक भारत के निर्माण में नेहरू के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा था कि आज न सिर्फ उनके व्यक्तित्व एवं उनके योगदान को कमतर करने के प्रयास किये जा रहे हैं, बल्कि उनकी बहुआयामी विरासत को भी कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उनके आरोप पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाटिया ने पूछा, "नेहरू की विरासत क्या है?"

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया, "नेहरू की विरासत में संविधान में अनुच्छेद 370 को शामिल करना, चीन के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने का प्रस्ताव ठुकराना तथा पाकिस्तान और चीन, दोनों को भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देना शामिल है।" उन्होंने सोनिया गांधी से इन 'ऐतिहासिक भूलों' पर जवाब मांगा।

आप नेता बलतेज पन्नू का कांग्रेस से सवालः क्या कांग्रेस में मुख्यमंत्री का चेहरा 500 करोड़ रुपये में बेचा गया था?

चंडीगढ़ **(एजेंसी)**। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के जनरल सेक्रेटरी और मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने पंजाब के गवर्नर से मुलाकात के बाद नवजोत कौर सिद्धू के सनसनीखेज खुलासों को लेकर कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया है। पन्नू ने कहा कि उनके बयानों ने इस 'कड़वी सच्चाई' को सामने ला दिया है कि कांग्रेस कैसे काम करती है, लीडरशिप कैसे तय होती है, और कैसे निजी महत्वाकांक्षाओं और पैसे के सौदों के लिए पंजाब के हितों को किनारे रखा जाता है।

पन्नू ने कहा कि नवजोत कौर सिद्धू ने दो चौंकाने वाले दावे किए हैं, एक यह कि नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब की राजनीति में तभी दोबारा आएंगे जब कांग्रेस पहले उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करेगी, और दूसरा यह कि सिद्धू परिवार के पास देने के लिए 500 करोड़ रुपये नहीं हैं, जिसका मतलब है कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के लिए 500 करोड़ रुपये की डील ज़रूरी है।

इन बातों को 'बहुत परेशान करने वाला' बताते हुए, पन्नू ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस लीडरशिप सच में मुख्यमंत्री का चेहरा 500 करोड़ रुपये में बेचती है। उन्होंने कहा, 'अगर सिद्धू का दावा है कि उनके पास 500 करोड़ रुपये नहीं हैं, तो यह रकम कौन देता है? यह पैसा कहां जाता है? स्टेट यूनिट प्रेसिडेंट को? हाईकमान को? राहुल गांधी को या खड़गे को? पंजाब के लोगों को जवाब मिलना चाहिए।' पन्नू ने याद दिलाया कि नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब कांग्रेस प्रेसिडेंट, सांसद, विधायक और कैबिनेट मिनिस्टर रह चुके हैं। 'क्या ये पद भी खरीदे गए थे? क्या उन्हें थोड़ी सी रकम देकर कांग्रेस प्रेसिडेंट बनाया गया था? कांग्रेस में डिप्टी चीफ मिनिस्टर या मिनिस्टर बनने के लिए कितने करोड़ चाहिए?'

सिद्धू की कंडीशनल पॉलिटिक्स की आलोचना करते हुए पन्नू ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि सिद्धू का दावा है कि पंजाब के 'सुनहरे दिन' तभी आएंगे जब सिद्धू को चीफ मिनिस्टर का चेहरा बनाया जाएगा। 'अगर कांग्रेस ने उन्हें अनाउंस नहीं किया, तो पंजाब को नुकसान हो सकता है, यही उनका मैसेज है। क्या पंजाब नवजोत सिद्धू के लिए सिर्फ एक बारगेनिंग चिप है?' पन्नू ने सिद्धू के नाटकीय अतीत का मज़ाक उड़ाया, जिसमें दिखावटी प्रेस कॉन्फ्रेंस से लेकर फेल हुए 'जीतेगा पंजाब' चैनल तक शामिल थे, और सवाल किया कि अगर सिद्धू के पास पंजाब को फिर से खड़ा करने का कोई जादुई फ़ॉर्मूला था, तो उन्होंने मंत्री या कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए इसे क्यों नहीं लागू किया।

इसके उलट, आप लीडरशिप से तुलना करते हुए, पन्नू ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान, अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और कई अन्य लोगों ने लोगों की सेवा करने के लिए अपना करियर छोड़ दिया, जबकि कांग्रेस नेता पहले पद और बाद में सेवा मांगते हैं। पन्नू ने मांग की कि कांग्रेस तुरंत साफ़ करे कि क्या मुख्यमंत्री बनने के लिए 500 करोड़ रुपये की ज़रूरत होती है। क्या कांग्रेस ने यह पैसा राज्य में घूम रहे छह-सात मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों से इकट्ठा किया है?

'मैं बहस के लिए तैयार हूं' आमने-सामने क्यों आ गए सीएम विजयन और कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल आमने-सामने आ गए हैं। विजयन ने रविवार को कहा है कि वह वेणुगोपाल के साथ बहस के लिए तैयार हैं। यह मामला केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के सांसदों के प्रदर्शन पर सार्वजनिक बहस से जुड़ा है।

मुख्यमंत्री केसी वेणुगोपाल के बयान के बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। वेणुगोपाल ने कहा था कि क्या विजयन इस मामले पर खुली बहस के लिए तैयार हैं?

इससे पहले विजयन ने कहा था कि यूडीएफ के सांसद संसद में केरल के विकास के मुद्दों को उठाने में फेल रहे हैं और उन्होंने कई मौकों पर राज्य के हितों के खिलाफ रुख अपनाया है।

विजयन ने कहा, "निश्चित रूप से मैं (खुली बहस के लिए) तैयार हूं। उन्हें समय और जगह तय करने दीजिए।" उन्होंने सवाल किया कि क्या वेणुगोपाल को राज्य के यूडीएफ सांसदों के प्रदर्शन की जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री ने यूडीएफ सांसदों पर केरल को बर्बाद करने की केंद्र सरकार की कोशिशों में साथ देने का आरोप लगाया। विजयन ने दावा किया कि विपक्षी सांसदों ने केंद्र को राज्य के खिलाफ रुख अपनाने की सलाह भी दी।

विजयन ने आरोप लगाया कि हाल ही में केरल को अत्यधिक गरीबी मुक्त राज्य घोषित किए जाने के बाद विपक्षी सांसदों ने संसद में कुछ प्रश्न उठाकर राज्य में सभी एएवाई (अंत्योदय अन्न योजना) राशन कार्डों को बंद करने की कोशिश की।

उपराष्ट्रपति ने गोवा नाइट क्लब अग्निकांड में हुई मौतों पर शोक जताया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन नेगोवा नाइट क्लब अग्निकांड में हुई मौतों पर रविवार को शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह इस घटना से बहुत दुखी हैं। उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव में स्थित लोकप्रिय नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन में शनिवार देर रात आग लग गई, जिसमें चार पर्यटकों और 14 कर्मचारियों सहित कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में छह अन्य लोग घायल भी हुए हैं।

उपराष्ट्रपति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, " गोवा के अरपोरा में हुई आग की दुखद घटना में हुई जानमाल की हानि से मैं बहुत दुखी हूं। जिन परिवारों ने इस घटना में अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। इस अत्यंत दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं।"

उपराष्ट्रपति ने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की।

'दिल्ली से हमें उठाया गया, वहां वापस नहीं जाऊंगी' बांग्लादेश से भारत लौटीं सुनाली खातून का दर्द

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बांग्लादेश से वापस भारत लाई गई महिला सुनाली खातून शनिवार को अपने माता-पिता के घर गईं और बीरभूम जिले के पैकर गांव में अपनी पांच साल की बेटी और माता-पिता से मिलीं। हालांकि, बीमार पड़ने पर उन्हें रामपुरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

शुक्रवार को मेहदीपुर बॉर्डर आउटपोस्ट से इंडियन बॉर्डर में एंट्री करने के बाद, सुनाली खातून को मालदा में 24 घंटे तक मेडिकल ऑब्जर्वेशन में रखा गया था। उन्हें मालदा से एंबुलेंस से घर लाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में सरकार को सुनाली की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। उनके पति दानिश शेख, स्वीटी बीबी और उनके दो बच्चे, अभी भी बांग्लादेश में ही हैं, क्योंकि केंद्र ने उनकी भारतीय नागरिकता को चुनौती दी है। हालांकि, सरकार मानवीय आधार पर सुनाली को वापस लाने पर सहमत हो गई थी। सुनाली खातून ने अपने घर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा, 'मुझे और मेरे बेटे को वापस लाने के लिए मैं सभी की आभारी हूं। लेकिन मैं अब दिल्ली नहीं जाऊंगी। वहीं दिल्ली पुलिस ने हमें उठा लिया था, अवैध बताकर बांग्लादेश भेज दिया था। हमने पुलिस से विनती की कि हम भारतीय हैं और बंगाल के निवासी हैं। उन्होंने हमारी एक न सुनी। सौभाग्य से, बांग्लादेश में पुलिस और जेल अधिकारियों ने मेरे साथ अच्छा व्यवहार किया।' सुनाली के पिता भोदू शेख ने कहा, 'उसे वापस लाने के लिए हम सभी के प्रति खुश और आभारी हैं। समीरुल इस्लाम ने हमारी बहुत मदद की। हम दुआ करते हैं कि वह यहां एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे। हम चाहते हैं कि बाकी बच्चों को भी वापस लाया जाए।' बता दें कि सुनाली, उनके पति और उनके बच्चे दिल्ली में रहते थे, उन्हें 26 जून को बांग्लादेश में भेज दिया गया। सुनाली ने कहा, 'चूंकि मेरे पति और अन्य लोग अभी भी बांग्लादेश में हैं, इसलिए मैं सभी से उन्हें वापस लाने की अपील करती हूं।'

गौतम गंभीर ने तोड़ी चुप्पी, रोहित-विराट के 2027 वर्ल्ड कप खेलने पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज जीत के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। लंबे समय से चल रही अटकलों और ड्रेसिंग रूम की कथित खींचतान के बीच गंभीर का यह बयान माहौल को शांत करता दिख रहा है।

विशाखापट्टनम में खेले गए निर्णायक वनडे मुकाबले को भारत ने 9 विकेट से जीतकर सीरीज अपने नाम की। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने रोहित और विराट की मौजूदगी को 'भारत के लिए मैच-विनिंग फैक्टर' बताया। उन्होंने कहा कि भले वे अब सिंगल-फॉर्मेट खिलाड़ी हों, लेकिन वनडे में उनका योगदान टीम को लगातार मजबूती देता रहेगा। गंभीर ने साफ किया कि 2027 वर्ल्ड कप तक दोनों खिलाड़ियों की उपयोगिता कम नहीं होगी, बल्कि और बढ़ेगी।

गंभीर ने रोहित-विराट की भूमिका पर जोर देते हुए कहाः 'वे गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं। लंबे समय से भारत के लिए वही करते आ रहे हैं जो टीम को चाहिए। उनका अनुभव ड्रेसिंग रूम में बेहद महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि वे आगे भी टीम को वही स्थिरता देंगे।' इस बयान के बाद यह साफ संकेत मिला है कि 2027 विश्व कप की योजनाओं में दोनों दिग्गजों की जगह मजबूत बनी हुई है।

पिछले कुछ हफ्तों में मीडिया में ऐसी रिपोर्टें थीं कि गंभीर, कोहली और रोहित के बीच संवाद कम हो गया है। कहा गया कि चयन और योजनाओं को लेकर मतभेद हैं, क्योंकि दोनों दिग्गज अब सिर्फ एक फॉर्मेट में खेल रहे हैं। लेकिन गंभीर के इस बयान ने इन सभी अटकलों को शांत कर दिया है और यह संदेश दिया है कि टीम में सब कुछ सामान्य है।

रोहित शर्माः ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज

विराट कोहलीः दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 300इ रन और दो शतक, प्लेयर ऑफ द सीरीज

दोनों लगभग 40 की उम्र के करीब हैं, लेकिन उनका वर्तमान फॉर्म दिखाता है कि फिटनेस और प्रदर्शन अभी शीर्ष स्तर पर है।इसी कारण चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट 2027 विश्व कप तक उनकी भूमिका को लेकर आश्वस्त हैं। गंभीर के बयान के बाद अब तस्वीर और साफ हो गई है– अगर फिटनेस और फॉर्म ऐसे ही बना रहा, तो टीम इंडिया के दो सबसे अनुभवी बल्लेबाज 2027 विश्व कप में अहम भूमिका निभाएंगे। चयनकर्ताओं के लिए यह फैसला आसान नहीं था, लेकिन प्रदर्शन ने हर संदेह को खत्म कर दिया है।

यशस्वी जायसवाल का बड़ा खुलासा

पहले वनडे शतक का श्रेय रोहित-कोहली को दिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में अपना पहला शतक जड़कर राहत महसूस की। उनकी 116इ रनों की शानदार पारी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराते हुए सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

विशाखापट्टनम में खेले गए मुकाबले में जायसवाल ने 121 गेंदों पर 12 चौकों और 2 छक्कों की मदद से नाबाद शतक लगाया। रोहित शर्मा (75) और विराट कोहली (65इ) के साथ मिलकर उन्होंने भारत को 40वें ओवर से पहले ही 271 के लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे पहले कुलदीप यादव (4/41) और प्रसिद्ध कृष्णा (4/65) ने बेहतरीन गेंदबाज़ी करते हुए मेहमान टीम को 270 रन पर समेट दिया।

तीनों फ़ॉर्मेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने यशस्वी। इस शतक के साथ 23 वर्षीय जायसवाल भारत के लिए सभी तीन फ़ॉर्मेट में शतक लगाने वाले छठे और सबसे युवा बल्लेबाज़ बन गए।

मैन ऑफ द मैच चुने गए जायसवाल ने कहा कि उन्हें अपने 'सीनियर' साथियों से लगातार मार्गदर्शन मिलता रहा। जायसवाल बोलेः 'शतक लगाकर बहुत अच्छा लग रहा है। रोहित भैया से मेरी बल्लेबाज़ी के दौरान काफी बातचीत होती रहती है–कैसे खेलना है, कब रफ्तार बढ़ानी है। शुरुआत में मैं अपनी पारी को बदल नहीं पा रहा था, बस उसी पर ध्यान दिया।'

उन्होंने बताया कि कोहली के आने के बाद पारी और आसान हो गई– 'जब विराट पाजी आए, उन्होंने कई शॉट खेले और मुझे छोटे-छोटे लक्ष्य सेट करने में मदद की। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा।' पहले दो मैचों में छोटे स्कोर (18 और 22) तथा दूसरे वनडे में कैच छोड़ने के बाद तीसरे मुकाबले में जायसवाल पर दबाव था। उन्होंने शुरुआत में संयम रखा– पहला 50: 75 गेंदों में, दूसरा 50: 36 गेंदों में।

आवास ऋण नौ लाख करोड़ रुपये के पार ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहने की उम्मीद : एसबीआई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि बैंक का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है और उन्हें भरोसा है कि खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्र में जारी तेजी से चालू वित्त वर्ष में कुल ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहेगी।

आरएएम खंड सितंबर में ही 25 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है। आर्थिक वृद्धि में सुधार को देखते हुए एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए ऋण वृद्धि लक्ष्य को पहले के 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया है।

पीटीआई- से साक्षात्कार में शेट्टी ने कहा, 'हमने ऋण वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। अब यह 12 प्रतिशत से 14 प्रतिशत है। हमें मजबूत ऋण वृद्धि दिख रही है, खासकर आरएएम खंड में। एमएसएमई क्षेत्र में 17-18 प्रतिशत और कृषि तथा खुदरा में करीब 14 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।'

उन्होंने बताया कि स्वर्ण ऋण में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है, जबकि असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण में दो अंकों की वृद्धि होगी। कुछ समय से सुस्त चल रहा कॉर्पोरेट ऋण खंड भी दूसरी तिमाही में पुनः गति पकड़ता दिखा और 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

शेट्टी ने कहा, 'कॉर्पोरेट ऋण के लिए हमारा अनुमान निचले दो अंकों में है। इस तरह कुल मिलाकर 12-14 प्रतिशत ऋण वृद्धि हासिल करना पूरी तरह संभव है।' रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत ब्याज दर में 25 आधार अंक की और कटौती से ऋण सस्ते होंगे और नई मांग को बल मिलेगा।

यूएफसी फाइटर पूजा तोमर ने कहा, मार्शल आर्ट्स को क्रिकेट के बराबर देखना चाहती हूं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स फाइटर पूजा तोमर ने कहा है कि यूएफसी में उनकी जीत ने भारत में मार्शल आर्ट्स के खेल को देखने का नजरिया बदल दिया है। तोमर ने जोर देकर कहा कि अगर देश में और ज्यादा लीग शुरू की जाती हैं, तो मार्शल आर्ट्स को क्रिकेट के बराबर का दर्जा मिल सकता है।

पूजा तोमर ने बताया, 'मैं एक बहुत छोटे से गांव से आती हूं, और वहां से यूएफसी तक का मेरा सफर काफी मुश्किल रहा है।'

यूएफसी में अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद, उन्होंने कहा, 'अब बहुत सारे इवेंट हो रहे हैं, और उनमें हमारे कई फाइटर्स उभर रहे हैं, जो भविष्य में यूएफसी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।' उनका मानना है कि ज्यादा लीग शुरू होने से भारतीय फाइटर्स को आगे आने का और बेहतर मौका मिलेगा।

पूजा तोमर, जिनका जन्म 25 दिसंबर, 1993 को हुआ, यूएफसी के स्ट्रॉवेट डिवीज़न में मुकाबला करने वाली पहली भारतीय मूल की महिला फाइटर हैं। उन्होंने 8 जून, 2024 को यूएफसी में डेब्यू किया और अपनी पहली फाइट जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

यूएफसी से पहले, वह वन चैंपियनशिप और मैट्रिक्स फाइट नाइट जैसे बड़े प्रमोशन में भी हिस्सा ले चुकी हैं। उन्होंने मैट्रिक्स फाइट नाइट 10 में बी गुयेन को हराकर एमएफएन विमेंस स्ट्रॉवेट चैंपियनशिप का खिताब जीता था। पूजा तोमर भारत में एमएमए को एक नई पहचान दिलाने वाली प्रमुख हस्ती बन गई हैं।

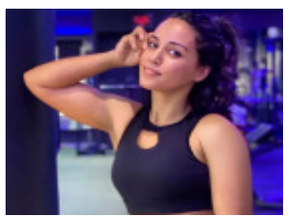

केटी पेरी और जस्टिन ट्रूडो का रिश्ता हुआ 'ऑफिशियल', जापान से सेल्फी वायरल

पॉप स्टार कैटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने रिश्ते को ऑफिशियली अनाउंस कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपने रिश्ते को कंफर्म किया है। कैटी ने जापान में अपने वेकेशन की फोटोज और वीडियो शेयर किए हैं। एक तस्वीर में कैटी और जस्टिन एक-दूसरे के बेहद करीब आकर सेल्फी ले रहे हैं। इंटरनेट पर इसकी खूब चर्चा हो रही है।

कैटी पेरी, जस्टिन ट्रूडो के साथ जापान के पूर्व प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और उनकी वाइफ योको के साथ राजनयिक लंच में शामिल हुई थीं। ये तस्वीरें इसी ट्रिप के दौरान सामने आई हैं।

41 साल की कैटी पेरी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, 'टोक्यो टाइम्स ऑन टूर और भी बहुत कुछ।' उधर फुमियो किशिदा ने भी अपनी मुलाकात की फोटो शेयर की और कैटी को जस्टिन का 'पार्टनर' कहा।

कैटी और 53 साल के जस्टिन की फोटो इंटरनेट पर देखते ही देखते वायरल हो गई। यूजर्स खूब रिएक्ट कर रहे हैं। एक ने कहा, 'इसकी उम्मीद नहीं थी।' दूसरे ने कहा, 'फ्री वर्ल्ड के इतिहास में ये क्रेजिएस्ट लंच हो सकता है।' एक और ने कहा, 'मुझे बस इतना पता है कि जस्टिन उनके दिल के नई मिनिस्टर हैं और हम इसके लिए बहुत खुश हैं।'

फुमियो किशिदा ने एक्स पर लिखा, 'पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने साथी के साथ जापान आए। मेरी पत्नी और मेरे साथ दोपहर के लंच में शामिल हुए। उनके प्रधानमंत्री रहने के दौरान हम कई बार साथी नेताओं के रूप में मिले। जब मैं कनाडा गया तो हमने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए साथ मिलकर काम किया, जिसमें 'जापान-कनाडा एक्शन प्लान' तैयार करना भी शामिल था। और साथ मिलकर काम किया। मुझे खुशी है कि हम इस दोस्ती को इसी तरह बनाए रख रहे हैं।'

एमसीडी के 16, 530.50 करोड़ रुपए के बजट में कोई नया कर नहीं, स्वच्छता पर विशेष जोर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के आयुक्त अश्विनी कुमार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 16, 530.50 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इसमें प्रमुख क्षेत्रों में स्वच्छता को सबसे अधिक 4, 795.28 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। कुमार ने कहा कि कोई नया कर प्रस्ताव नहीं है तथा मौजूदा करों के संग्रह को मजबूत करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने शहर भर में 20 नई बहु-स्तरीय पार्किंग सुविधाएं विकसित करने की घोषणा की।

बजट में स्वच्छता के लिए सबसे ज्यादा 4, 795.28 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जबकि शिक्षा के लिए 2, 520.34 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य और चिकित्सा सहायता के लिए बजट में 1, 905.60 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए। आयुक्त ने कहा कि शिक्षा को कुल बजट का लगभग 15 प्रतिशत आवंटित किया गया है, जो स्वच्छता के बाद दूसरा सबसे बड़ा आवंटन है, जबकि स्वास्थ्य लगभग 12 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है।

राष्ट्रीय राजधानी में सड़क बुनियादी ढांचा और रोशनी में सुधार के लिए 1, 884.44 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जबकि सामान्य प्रशासन के लिए 3, 549.63 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। बागवानी विभाग को 397.90 करोड़ रुपए मिले, जबकि पशु चिकित्सा सेवाओं को 131.06 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल बजट परिव्यय 16, 530.50 करोड़ रुपए है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 17, 011.91 करोड़ रुपए था।

लंबी अटकलों पर विराम

स्मृति मंधाना ने मंगेतर पलाश मुच्छल संग शादी कैंसिल की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को घोषणा की है कि संगीतकार पलाश मुच्छल के साथ उनकी शादी कैंसिल हो गई है। हफ्तों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए, मंधाना ने एक सार्वजनिक बयान जारी कर इस रिश्ते के अचानक खत्म होने की पुष्टि की।

मंधाना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि वह अपनी निजी जिंदगी को निजी ही रखना चाहती हैं। उन्होंने साफ किया, 'मुझे यह साफ करना है कि शादी कैंसिल हो गई है। मैं इस मामले को यहीं खत्म करना चाहती हूं।'

उन्होंने लोगों से और मीडिया से इस मुश्किल समय में दोनों परिवारों की प्राइवेसी का सम्मान करने का अनुरोध किया, ताकि वे शांति से इस स्थिति से निपट सकें और आगे बढ़ सकें।

अपने बयान में, स्मृति मंधाना ने अपने क्रिकेट करियर के प्रति अपने समर्पण को भी दोहराया। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मेरा मानना है कि हम सभी को चलाने वाला एक बड़ा मकसद है और मेरे लिए वह हमेशा अपने देश का उच्चतम स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है।' उन्होंने उम्मीद जताई कि वह भारत के लिए खेलती रहेंगी और ट्रॉफियां जीतेंगी, और उनका ध्यान हमेशा इसी पर रहेगा।

दूसरी ओर, पलाश मुच्छल ने, जिन पर मंधाना को धोखा देने का आरोप है, अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने और रिश्ते से पीछे हटने का फैसला किया है।

पलाश ने बिना किसी आधार वाली अफवाहों पर दुख व्यक्त किया और इसे अपनी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर बताया। उन्होंने लोगों से बिना वेरिफाईड गॉसिप के आधार पर किसी को जज न करने की अपील की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी टीम झूठी और मानहानिकारक सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी।

रुपए में गिरावट पर बोलीं वित्त मंत्री- 'रुपया खुद बनाएगा अपनी राह', चिंता की जरूरत नहीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर के पास बना हुआ है लेकिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि मौजूदा मजबूत आर्थिक हालात को देखते हुए रुपए की कमजोरी को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि रुपया अपनी राह खुद बनाएगा और इस विषय पर चर्चा को देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति के संदर्भ में समझना चाहिए।

4 दिसंबर को रुपया डॉलर के मुकाबले ?90.46 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा था। विशेषज्ञ इसका कारण भारत-अमेरिका ट्रेड डील में देरी और विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी को बता रहे हैं। दिलचस्प है कि यह कमजोरी ऐसे समय में दिखी है जब देश में खुदरा महंगाई रिकॉर्ड लो 0.25इ पर है और जीडीपी ग्रोथ 8इ से ऊपर बनी हुई है।

सीतारमण ने कहा कि कमजोर रुपए से निर्यातकों को लाभ मिल सकता है लेकिन केवल इसी आधार पर रुपए की गिरावट को 'फायदेमंद' बताना सही मूल्यांकन नहीं है। उनके अनुसार, मजबूत विकास दर और स्थिर आर्थिक माहौल रुपए की मौजूदा स्थिति को बेहतर ढंग से समझाते हैं।

वित्त मंत्री ने आयकर कटौती और जीएसटी दरों में सरलीकरण के प्रभाव पर भी बात की। उनके मुताबिक, इनकम टैक्स में बदलावों का असर अगले साल टैक्स कलेक्शन में दिखेगा लेकिन लोगों के खर्च में बढ़ोतरी अभी से दिखाई देने लगी है। जीएसटी सुधार पूरे देश में समान रूप से लागू होते हैं, इसलिए इनके असर को मध्यम अवधि में समझना ज्यादा उचित होगा। कुल मिलाकर सरकार का रुख स्पष्ट है – बुनियादी ढांचे की मजबूती, स्थिर महंगाई और निरंतर आर्थिक सुधारों की बदौलत भारत की अर्थव्यवस्था आने वाले महीनों में भी मजबूत राह पर बनी रहेगी।

टीवी की 'पार्वती' के घर गूंजी किलकाारियां सोनारिका भदौरिया ने बेटी को दिया जन्म

'देवों के देव महादेव' में पार्वती का किरदार निभाने वाली सोनारिका भदौरिया लंबे समय से अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी को एन्जॉय करती नजर आ रही थी। लगातार एक्ट्रेस अपने बेबी बंप का फोटों इंस्टाग्राम पर शेयर करती दिख रही है। इस बीच एक्ट्रेस ने गुड न्यूज सोशल मीडिया पर शेयर की है। सोनारिका ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। इसकी खबर उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। एक्ट्रेस ने अनाउंस किया कि वह और विकास बेबी गर्ल के पैरेंट्स बन गए हैं। इस दौरान फैंस और सेलेब्स दोनों ही बधाई देने में लगे हैं।

इंस्टाग्राम पर सोनारिका ने एक फोटो शेयर की है जिसमें उनके और विकास के हाथों में बेटी के पैर हैं। फोटो शेयर कर उन्होंने लिखा, 5.12.2025, हमारा प्यार और बड़ा आशीर्वाद। वह यहां है औ? हमारी दुनिया भी बन गई हैं।

एक्ट्रेस सोनारिका और विकास ने सितंबर 2025 में अनाउंस किया कि दोनों जल्द पैरेंट्स बनने वाले हैं। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने बेबीमून की फोटोज भी शेयर की थी, जिसमें वह बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रही थीं। फोटोज को शेयर कर उन्होंने लिखा था हमारा अब तक का सबसे बड़ा एडवेंचर।

पिछले साल 2024 में सोनारिका ने विकास पाराशर से राजस्थान में शादी की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विकास, सोनारिका के भाई के दोस्त थे और उनसे वह जिम में मिली थीं। सोनारिका ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह पहले से श्योर थी कि पार्टनर के रूप में उन्हें एक्टर नहीं चाहिए था। एक्ट्रेस का कहना था कि इंडस्ट्री के बाहर से पार्टनर के होने से बैलेंस बना रहता है। विकास उन्हें बहुत सपोर्ट करता है।

सोनारिका भदौरिया ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ की शुरुआत साल 2011 में टीवी शो 'तुम देना साथ मेरा' से टीवी डेब्यू किया। लेकिल वह 'देवों के देव महादेव' सीरियल में माता पार्वती के रोल से घर-घर में फेमस हुईं। एक्ट्रेस के चेहरे की मासूमियत और सॉफ्ट हार्ट ने दर्शकों को देवी पार्वती के किरदार में तुरंत अपना दीवाना बना दिया। सोनारिका को जादूगाडु और ईदो रकम आदो रकम जैसी तेलुगु फिल्मों में भी देखा गया था। फिल्मों में काम करने के बाद अभिनेत्री ने पृथ्वी वल्लभ, दास्तान-ए-मोहब्बत सलीम अनारकली और इश्क में मरजावां से टेलीविजन शो पर वापसी की।

प्रियंका चोपड़ा ने जाह्नवी कपूर के जेंडर इक्वालिटी पर विचारों को सराहा, 'वी द विमेन एशिया' इवेंट का वीडियो छाया

प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर जाह्नवी कपूर का एक वीडियो शेयर करके जेंडर इक्वालिटी पर उनके विचारों का समर्थन किया। जाह्नवी मुंबई में हुए 'वी द विमेन एशिया' इवेंट में बोल रही थीं।

अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर वीडियो शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा, 'यह एक बातचीत से शुरू होता है, तो मैं शुरू करती हूं। बहुत बढ़िया जाह्नवी कपूर (ताली बजाने वाला इमोजी)।' इवेंट में आए लोगों को संबोधित करते हुए जाह्नवी ने बताया कि बातचीत शुरू करना और बहस को बढ़ावा देना जेंडर इक्वालिटी हासिल करने की दिशा में कितने ज़रूरी कदम हैं। उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए सच्ची समानता का क्या मतलब है, यह समझाने के लिए व्यक्तियों, खासकर पब्लिक में दिखने वाले लोगों की ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बातचीत से शुरू होता है, यह बहस से शुरू होता है, यह अपनी आवाज़ उठाने और लोगों को, आप जानते हैं, आपसे आगे वाली पीढ़ी को इस बारे में ज़्यादा जागरूक करने से शुरू होता है कि असल में समान होने का क्या मतलब है, क्योंकि एक महिला के तौर पर, मुझे सच में लगता है कि हम पूरी तरह से अजेय हैं, हमें बस इसे थोड़ा और समझने की ज़रूरत है। और सच में एक महिला होने से बड़ा कोई सौभाग्य नहीं है, हमें बस उसी तरह से ट्रीट किया जाना शुरू करने की ज़रूरत है।'

प्रोफेशनल फ्रंट पर, प्रियंका एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित और महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत अपनी आने वाली तेलुगु फिल्म वाराणसी के साथ भारतीय सिनेमा में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म संक्रांति 2027 के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।

एक्ट्रेस अमेरिकन एक्शन फिल्म द ब्लफ में भी नज़र आएंगी, जिसमें वह 19वीं सदी की कैरेबियन समुद्री डाकू का किरदार निभा रही हैं, और फिलहाल वेब सीरीज़ सिटाडेल के दूसरे सीज़न पर काम कर रही हैं।

यात्रियों को बड़ी राहत, इंडिगो ने कैंसलेशन और रीशेड्यूलिंग पर दी पूरी छूट, 1, 650 से ज्यादा उड़ानें शुरू

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंडिगो एयरलाइन ने रविवार को घोषणा की कि उसकी उड़ानों को सामान्य करने का प्रयास तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। एयरलाइन ने बताया कि उसके कुल 138 डेस्टिनेशन में से 137 पर परिचालन फिर से शुरू हो गया है।

एक बयान में, इंडिगो ने कहा कि वह अब 1, 650 से ज़्यादा उड़ानें संचालित करने की ओर बढ़ रही है, जो पिछले दिन की 1, 500 से ज्यादा उड़ानों से अधिक है। एयरलाइन ने अपनी समय परफॉर्मेंस में भी बड़ा सुधार होने की जानकारी दी है, जो एक दिन पहले के 30 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 75 प्रतिशत हो गई है।

यात्रियों को हुई असुविधा को देखते हुए, इंडिगो ने 15 दिसंबर 2025 तक की बुकिंग के लिए कैंसलेशन और रीशेड्यूलिंग के अनुरोधों पर पूरी छूट देने की घोषणा की है। एयरलाइन ने यह भी आश्वासन दिया है कि रिफंड और बैगेज से संबंधित प्रक्रियाएं 'पूरी तरह से चालू' हैं, क्योंकि टीमें सामान्य सेवाओं को बहाल करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं।

संसद में 'वंदे मातरम' और चुनावी सुधारों पर होगी चर्चा, जोरदार बहस के आसार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इस हफ्ते संसद में सत्ताधारी बीजेपी और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के बीच बड़ा टकराव देखने को मिलेगा। सोमवार से, संसद में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' और चुनावी सुधारों जैसे दो महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष चर्चा होगी, जिसमें सभी पार्टियों के सांसद हिस्सा लेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बीजेपी की ओर से बहस में शामिल होंगे। वहीं, विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, अखिलेश यादव, और कनिमोझी जैसे प्रमुख नेता इन बहसों में अपनी बात रखेंगे।

सोमवार दोपहर को यह चर्चा लोकसभा में शुरू होगी, जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। कांग्रेस की ओर से उपनेता गौरव गोगोई और वरिष्ठ सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल होंगी। राज्यसभा में यह बहस मंगलवार को होगी, जिसकी शुरुआत गृह मंत्री अमित शाह करेंगे।

लोकसभा में चुनावी सुधारों पर बहस मंगलवार को शुरू होगी, जिसके बुधवार को खत्म होने की

संभावना है। दोनों सदनों में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल बहस का जवाब देंगे।

माना जा रहा है कि 'वंदे मातरम' और चुनावी सुधारों पर विपरीत विचारों के चलते सदन में तीखी बहस होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने पहले कांग्रेस पर एक वर्ग को खुश करने के लिए 'वंदे मातरम' का पूरा उपयोग न करने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में, कांग्रेस ने मोदी पर तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने का आरोप लगाया है। कांग्रेस रवींद्रनाथ टैगोर के एक पत्र का हवाला देती है, जिसमें कहा गया था कि 'वंदे मातरम' के केवल पहले दो छंदों को ही अपनाया जाना चाहिए, क्योंकि बाद वाले छंदों में सांप्रदायिक भावनाएं हो सकती हैं। 'वंदे मातरम', जिसे बंकिमचंद्र चटर्जी ने लिखा था, को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के बराबर दर्जा प्राप्त है। यह चर्चा 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में हो रही है।

विपक्ष इस बहस के दौरान 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाने के लिए तैयार है। राहुल गांधी ने पहले ही 'वोट चोरी' के खिलाफ अभियान शुरू किया है और चुनाव आयोग पर चुनावी रोल में हेरफेर करके बीजेपी की मदद करने का आरोप लगाया है। विपक्षी सांसद स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और इसमें शामिल बूथ लेवल अधिकारियों की मौत का मुद्दा भी उठाएंगे। वहीं, बीजेपी की तरफ से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की जरूरत पर जोर दिया जा सकता है।

यह बहस विपक्ष की कड़ी मांग के बाद तय हुई। पहले विपक्ष ने केवल चुनावी सुधारों के विवादास्पद एंड पर बहस पर जोर दिया था। हालांकि, 'वंदे मातरम' पर भी चर्चा करने और चुनावी सुधारों पर बहस को केवल एंड तक सीमित न रखने पर सहमति बनने के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ।

आईपीएल की मेजबानी जारी रखेगा चिन्नास्वामी स्टेडियम उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को घोषणा की कि चिन्नास्वामी स्टेडियम भविष्य में आईपीएल मैचों की मेजबानी करता रहेगा। यह घोषणा चार जून को स्टेडियम में हुई भगदड़ के बाद कर्नाटक में आईपीएल की मेजबानी को लेकर संदेह के बीच की गई है। भगदड़ उस समय हुई थी जब आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू की जीत का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ एकत्र हुई थी। शिवकुमार ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष पद के चुनाव में अपना वोट दिया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भविष्य में एक नया बड़ा स्टेडियम भी बनाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैं क्रिकेट प्रेमी हूं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कर्नाटक में हुई दुर्घटना दोबारा न हो और चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट कार्यक्रम इस तरह से आयोजित किए जाएं जिससे बेंगलुरु का सम्मान बना रहे। उन्होंने कहा कि केएससीए कानून के दायरे में स्टेडियम का संचालन करेगा तथा भीड़ प्रबंधन के लिए उचित उपाय किए जाएंगे।

शिवकुमार ने कहा, हम आईपीएल को कहीं और स्थानांतरित नहीं करेंगे। आईपीएल यहीं चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा। यह बेंगलुरु और कर्नाटक का गौरव है, जिसे हम बरकरार रखेंगे। महिलाओं के मैचों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सरकार उनके लिए भी अवसर सुनिश्चित करेगी।

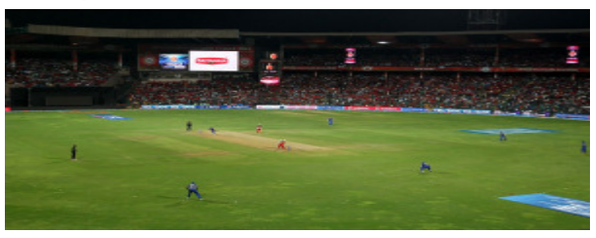

एयरलाइन क्षेत्र में 'एकाधिकार' बना रहने तक हवाई किराये की सीमा लागू रहनी चाहिए : चिदंबरम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान के मद्देनजर सरकार द्वारा हवाई किराए की सीमा तय किए जाने के बीच कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को कहा कि नागर विमानन मंत्रालय आखिरकार जाग गया है, और उन्होंने मांग की कि एयरलाइन क्षेत्र में एकाधिकार बना रहने तक इस तरह की मूल्य नियंत्रण व्यवस्था लागू रहनी चाहिए।

'इंडिगो' के परिचालन में व्यवधान के कारण पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों उड़ानें रद्द और विलंबित हुईं, जिससे देश भर में हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मुझे खुशी है कि नागर विमानन मंत्रालय आखिरकार जाग गया है और उसने इकोनॉमी क्लास के किराये की सीमा तय कर दी है।'' उन्होंने कहा कि एयरलाइन क्षेत्र में एकाधिकार बना रहने तक, इकोनॉमी क्लास में किराया सीमा लागू रहनी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''कड़ी प्रतिस्पर्धा के अभाव में, जनहित की रक्षा का एकमात्र उपाय कीमतों पर नियंत्रण है।'' इससे पहले,

उन्होंने कहा था कि इंडिगो के परिचालन में व्यवधान और देश भर के हवाई अड्डों पर ''अराजक माहौल'' इंडिगो प्रबंधन, नागर विमानन मंत्रालय, डीजीसीए और पूरी सरकार की भारी विफलता को दर्शाती है।

यह उल्लेख करते हुए कि पायलट ड्यूटी समय से जुड़े नये नियम जनवरी 2024 में अधिसूचित किए गए थे, चिदंबरम ने कहा, ''फिर भी पिछले 23 महीनों में, सरकार एयरलाइन को उसके संचालन को नए नियमों के अनुरूप ढालने में विफल रही। नागर विमानन मंत्रालय और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) पूरी तरह से इसके लिए जिम्मेदार हैं।

कान्हा-भोरमदेव डिवीजन के लीडर कबीर समेत 10 नक्सलियों का सरेंडर

मुख्यमंत्री बोले- '2026 तक नक्सलवाद खत्म कर देंगे'

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में, कान्हा-भोरमदेव डिवीजन के प्रमुख कबीर समेत 10 नक्सलियों ने रविवार को आत्मसमर्पण कर दिया। इसे राज्य में नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियान के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

नक्सलियों के आत्मसमर्पण के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि उनकी पुलिस ने 'बहुत बड़ा काम' किया है। उन्होंने नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प दोहराते हुए कहा, 'हम कसम खाते हैं कि जनवरी 2026 तक, या तो नक्सली सरेंडर कर देंगे या हम उन्हें खत्म कर देंगे।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई नक्सलियों ने सरेंडर किया है और यह प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार का संकल्प है कि वे अपनी जमीन से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म कर देंगे।

आस्था सही, पर राम पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं, बाबरी मस्जिद की नींव पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बयान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रविवार को 'सनातन संस्कृति संसद' द्वारा 'लोकखो कंठे गीता पाठ' (लाखों कंठों से गीता पाठ) का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 5 लाख से ज्यादा लोगों ने एक साथ पवित्र भगवत गीता का पाठ किया, जिससे आस्था और उत्साह का माहौल बन गया।

इस कार्यक्रम में शामिल हुए बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस आयोजन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'आज, पश्चिम बंगाल के कोलकाता की पवित्र भूमि पर 500, 000 लोगों ने एक साथ गीता का पाठ किया। उत्साह और आस्था की लहर देखकर ऐसा लगा जैसे कोलकाता में महाकुंभ मेला लगा हो।'

उन्होंने आगे कहा कि सनातन धर्म की एकता ही इस देश और दुनिया के लिए विश्व शांति का सबसे बड़ा साधन है। शास्त्री ने जोर देकर कहा, 'भारत में, हम 'सनातन' चाहते हैं, 'तनातानी' नहीं। भारत में, हम 'भगवा-ए-हिंद' चाहते हैं, 'गजवा-ए-हिंद' नहीं।'

मुर्शिदाबाद के बेल्डंगा में निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर द्वारा रखी गई बाबरी मस्जिद की नींव के पत्थर पर भी धीरेंद्र शास्त्री ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'अगर किसी की ऐसी आस्था है, तो वह अपनी आस्था के अनुसार इसे स्वीकार कर सकता है। इसमें कोई गलती या अपराध नहीं है।' हालांकि, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'लेकिन कोई भी हमारे भगवान राम पर टिप्पणी नहीं कर सकता। अगर हमारे मंदिर बनने पर कोई टिप्पणी करता है, तो उसका अहंकार सामने आ जाएगा।'

2025 में पांचवें देश में तख्तापलट!

सैनिकों ने पूरी सरकार को हटाया सरकारी टीवी पर की घोषणा

बेनिन **(एजेंसी)**। दुनिया के लिए साल 2025 सबसे अस्थिर सालों में बदलता जा रहा है जहां यूक्रेन-रूस युद्ध में हवाई हमले नई ऊँचाइयों पर पहुँच गए हैं, वहीं बेनिन, बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों में तख्तापलट और सैन्य विद्रोहों की लहर ने वैश्विक तनाव और बढ़ा दिया है। इसी उथल-पुथल के बीच रूस ने शनिवार को यूक्रेन पर 700 से अधिक हवाई हमले किए, जिससे यूरोप में युद्ध का खतरा और गहरा हो गया।

बेनिन में सैनिकों के एक समूह ने सरकारी टीवी पर संबोधन के जरिये सरकार के तख्तापलट की घोषणा की। पश्चिम अफ्रीकी देशों में सिलसिलेवार तरीके से तख्तापलट हो रहे हैं। इस सिलसिले में यह सबसे ताजा मामला है। खुद को 'मिलिट्री कमेटी फॉर रीफाउंडेशन' कहने वाले सैनिकों के समूह ने रविवार को राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को हटाये जाने की घोषणा की। सैनिकों ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल पास्कल तिगरी को सैन्य समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

र्ष 1960 में फ्रांस से आजादी मिलने के बाद, इस पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र ने तख्तापलट की कई घटनाओं को देखा है। राष्ट्रपति पैट्रिस टैलोन 2016 से सत्ता में थे और अगले साल अप्रैल में राष्ट्रपति चुनाव के बाद उन्हें पद छोड़ना था। टैलोन की पार्टी के उम्मीदवार, पूर्व वित्त मंत्री रोमुआल्ड वडाग्नि को चुनाव जीतने की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। विपक्षी उम्मीदवार रेनॉड अगबोडजो की उम्मीदवारी को निर्वाचन आयोग ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि उनके पास पर्याप्त प्रायोजक नहीं थे। पिछले महीने देश की विधायिका ने राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष से बढ़ाकर सात वर्ष कर दिया था तथा कार्यकाल सीमा दो ही रखी थी।

पीट हेगसेथ का कड़ा रुख, कैरिबियन ड्रग कार्टेल पर हमले जायज, ट्रंप की सैन्य शक्ति पर संदेह नहीं

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने शनिवार को कैरिबियन सागर में ड्रग कार्टेल की नावों पर अमेरिकी सेना द्वारा किए गए हमलों का जोरदार समर्थन किया है। उन्होंने तर्क दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जैसा वह उचित समझें सैन्य कार्रवाई करने की पूरी शक्ति है। हेगसेथ ने इस चिंता को खारिज कर दिया कि ये हमले अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं।

हेगसेथ ने कैलिफ़ोर्निया के सिमी वैली में रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी में बात की। ये हमले कितने कानूनी हैं और पेंटागन में उनके नेतृत्व की भूमिका को लेकर जांच बढ़ रही है। रक्षा सचिव ने दावा किया कि ये हमले, जिनमें सितंबर से अब तक 80 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, अमेरिकियों की सुरक्षा के लिए सही थे। उन्होंने संदिग्ध ड्रग तस्करों की तुलना अल-कायदा आतंकवादियों से की। हेगसेथ ने चेतावनी दी, 'अगर आप किसी नामित आतंकवादी संगठन के लिए काम कर रहे हैं और आप नाव से इस देश में ड्रग्स लाते हैं, तो हम आपको ढूंढ निकालेंगे और आपको डुबो देंगे।'

हेगसेथ ने राष्ट्रपति ट्रंप की सैन्य कार्रवाई करने की शक्ति पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप हमारे देश के हितों की रक्षा के लिए जैसा उचित समझेंगे, वैसा निर्णायक सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं और करेंगे। धरती पर कोई भी देश एक पल के लिए भी इस पर शक न करे।'

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि लगभग दो दर्जन हमले युद्ध के नियमों के तहत कानूनी हैं। उनका तर्क है कि अमेरिका नामित आतंकवादी संगठनों, जैसे वेनेजुएला का ट्रेन डे अरागुआ और कोलंबिया की नेशनल लिबरेशन आर्मी, से जुड़े फेंटानिल तस्करों के साथ सशस्त्र संघर्ष में शामिल है।

हेगसेथ के कड़े बचाव के

बावजूद, ट्रंप प्रशासन को इन ड्रग तस्करी विरोधी अभियानों की वैधता को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा है, यहां तक कि कुछ रिपब्लिकन नेता भी सवाल उठा रहे हैं।

कानूनी विशेषज्ञों ने इस तर्क की आलोचना की है। उनका कहना है कि अमेरिका कैरिबियन में किसी भी सशस्त्र समूह के साथ युद्ध में नहीं है, और संदिग्ध तस्करों ने अमेरिका या उसकी संपत्तियों पर हमला नहीं किया है। अन्य चिंताएं भी हैं, जैसे कि कथित तस्करों को किसी अदालत में दोषी नहीं ठहराया गया है। अमेरिका ने अपने कार्टेल पदनामों के समर्थन में बहुत कम सबूत दिए हैं।

क्षेत्रीय विशेषज्ञों का कहना है कि ये हमले फेंटानिल तस्करी को रोकने में ज्यादा प्रभावी नहीं होंगे, क्योंकि यह ड्रग ज्यादातर मैक्सिको के रास्ते अमेरिका में आती है, न कि कैरिबियन के समुद्री रास्ते से।

हमलों और हेगसेथ की भूमिका की जांच तब और तेज हो गई जब वाशिंगटन पोस्ट ने रिपोर्ट दी कि 2 सितंबर को हुए एक हमले के बाद, दूसरा हमला किया गया जिसमें मलबे से चिपके दो बचे हुए लोगों को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि ऑपरेशन की देखरेख करने वाले कमांडर ने हेगसेथ के 'सभी को मार डालो' के निर्देश का पालन करने के लिए दूसरे हमले का आदेश दिया था।

हेगसेथ ने इस दावे से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि कमांडर ने नाव को डुबो दिया और खतरे को खत्म कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जब उन्होंने पहला हमला देखा तो वह उसके बाद एक या दो घंटे तक वहां नहीं रुके।

भले ही हेगसेथ पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दिखा रहे हैं, लेकिन डेमोक्रेट्स की ओर से उनके इस्तीफे की मांगें तेज हो रही हैं। हाउस में न्यू डेमोक्रेट कोएलिशन ने हेगसेथ को 'अक्षम, लापरवाह और सशस्त्र बलों के लिए खतरा' बताया। गठबंधन के नेताओं ने उन पर झूठ बोलने और अपने अधीनस्थों को बलि का बकरा बनाने का आरोप लगाया।

हेगसेथ ने अपने भाषण में यह भी कहा कि रक्षा विभाग लोकतंत्र निर्माण, हस्तक्षेपवाद, अपरिभाषित युद्धों, शासन परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन, जागृत नैतिकता और बेकार राष्ट्र निर्माण से विचलित नहीं होगा।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' किया, जापान ने जताया विरोध

बीजिंग। चीनी विमानवाहक पोत लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले एक सैन्य विमान ने जापान के ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' कर दिया जिसे लेकर जापान ने चीन के समक्ष विरोध दर्ज कराया है।

'रडार लॉक' का मतलब होता है- किसी सैन्य विमान का अपने रडार को दूसरे विमान या लक्ष्य पर इस तरह केंद्रित करना कि वह उसकी सटीक स्थिति, गति और दिशा पर लगातार नजर रख सके।

जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के सैन्य विमान जे-15 ने शनिवार को दो बार अलग-अलग समय में जापानी एफ-15 लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। मंत्रालय ने कहा कि एक बार दोपहर में लगभग तीन मिनट के लिए और फिर शाम को लगभग 30 मिनट के लिए ऐसा किया गया।

मंत्रालय के अनुसार, चीनी विमान से उन जापानी लड़ाकू विमानों पर 'रडार लॉक' किया जिन्होंने चीन की ओर से हवाई क्षेत्र के संभावित उल्लंघन के खिलाफ प्रतिक्रिया दी थी। मंत्रालय ने कहा कि जापानी हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और इस घटना से कोई नुकसान होने की भी सूचना नहीं

मिली।

यह स्पष्ट नहीं है कि 'रडार लॉक' करने की घटना में दोनों बार वही चीनी जे-15 विमान शामिल था या नहीं। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने रविवार की सुबह पत्रकारों से कहा कि जापान ने चीन के समक्ष विरोध जताया और इसे 'एक खतरनाक कृत्य' करार देते हुए कहा कि यह सुरक्षित विमान संचालन के नियमों के खिलाफ है।

उन्होंने कहा, ऐसी घटना का होना अत्यंत निंदनीय है। हमने चीनी पक्ष के समक्ष सख्त विरोध जताया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने मांग की है।

किलाउआ में फटा ज्वालामुखी! 100 फुट तक उछला लावा, आग का समंदर देख दहशत में लोग

होनोलूलू। हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी ने शनिवार को एक बार फिर जोरदार तरीके से लावा और राख उगली। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) द्वारा जारी वीडियो फुटेज में ज्वालामुखी से लगातार उठती लावा फाउंटेन दिखाई दीं, जिनकी ऊंचाई लगभग 100 फुट तक दर्ज की गई। यूएसजीएस के अनुसार, यह विस्फोट हवाई वॉल्केनोज़ नेशनल पार्क के अंदर स्थित हलेमाउमाउ क्रेटर तक ही सीमित है और फिलहाल आसपास की आबादी के लिए कोई सीधा खतरा नहीं है। किलाउआ दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है। यह दिसंबर 2024 से बीच-बीच में फट रहा है और ज्वालामुखी के भीतर भूकंपीय गतिविधि लगातार दर्ज की जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि मैग्मा की गहराई और दबाव में उतार-चढ़ाव इस प्रकार के विस्फोटों को बढ़ावा दे रहे हैं। हालाँकि विस्फोट क्रेटर तक सीमित है, लेकिन ज्वालामुखी से निकलने वाली सल्फर डाइऑक्साइड गैसें स्थानीय स्तर पर वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं। पार्क प्रशासन ने पर्यटकों को चेतावनी दी है कि वे हवा की दिशा और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें। यूएसजीएस ने बताया कि वैज्ञानिक लगातार विस्फोट की तीव्रता, गैस उत्सर्जन और लावा प्रवाह पर नजर रखे हुए हैं।

32 साल बाद बड़ा बदलाव, भारत ने शंघाई में खोला नया हाई-टेक वाणिज्य दूतावास!

बीजिंग **(एजेंसी)**। भारत ने शंघाई स्थित अपने वाणिज्य दूतावास के नए अत्याधुनिक भवन का रविवार को उद्घाटन किया। भारत ने चीन के मुख्य व्यापारिक केंद्र स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को 32 साल में पहली बार दूसरे भवन में स्थानांतरित किया है। शंघाई वाणिज्य दूतावास चीन के पूर्वी क्षेत्र में भारत के तेजी से बढ़ते व्यापारिक समुदाय की सेवा करता है, जहां यिवू जैसे शीर्ष व्यापार और व्यवसाय केंद्र है, जहां बड़ी संख्या में भारतीय व्यवसाय मौजूद हैं। चांगनिंग जिले के प्रमुख डॉनिंग सेंटर में 1, 436.63 वर्ग मीटर में फैले विशाल नए वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने किया।

यह भवन पिछले भवन के आकार की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। वाणिज्य दूतावास द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक वह आठ दिसंबर को अपने नए परिसर से पूरी तरह से काम करना शुरू कर देगा। रावत ने 1992 के बाद पहली बार नए वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि भारत और चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक उद्घाटन के अवसर पर राजनयिक मिशन के सदस्य, शंघाई नगर सरकार के प्रतिनिधि, शंघाई, हांग्जो, निंगबो, सूझोउ, नानजिंग, यिवू, केकियाओ और वाणिज्य दूतावास के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अन्य शहरों से आए भारतीय समुदाय के सदस्यों सहित 400 से अधिक गणमान्य लोग उपस्थित थे। महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने अपने संबोधन में भारतीय नागरिकों और चीनी साझेदारों के लिए निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए वाणिज्य दूतावास की प्रतिबद्धता दोहराई।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।